डाक पंजीयन नं. 99/2021-23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

जर्नलिस्ट संगीता शर्मा फील्ड मे कवरेज के...

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाःआकांक्षा दुबे का नया वीडियो...

वर्ष -09 अंक -53 | प्रयागराज, गुरुवार 27 अप्रैल, 2023 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

दोबारा मेयर बनने के बाद शैली ओबेरॉय ने केजरीवाल को दिया धन्यवाद, कहा- बीजेपी ने एक तरह से आज सरेंडर कर दिया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की शैली ओबेरॉय को 26 अप्रैल को सर्वसम्मति से दिल्ली का मेयर चुना गया, जब भाजपा उम्मीदवार शिखा राय ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके साथ, ओबेरॉय ने दिल्ली नगर निगम के प्रमुख के रूप में दूसरा कार्यकाल हासिल कर लिया है। राय ने सदन को बताया कि स्थायी समिति का चुनाव नहीं होने के कारण उन्होंने अपना नामांकन वापस ले लिया। दिल्ली मेयर शैली ओबेरॉय ने कहा कि मैं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद करती हूं, उनकी वजह से आज मैं दूसरी बार महापौर चुनी गई हूं। भाजपा के प्रत्याशी ने आज अपना नाम वापस लिया। भाजपा ने एक तरह से आज सरेंडर कर दिया और उन्होंने मान लिया कि आंकड़े हमारे पास हैं। उन्होंने आज अपनी हार को सही तरीके से स्वीकार कर लिया। आप के निवर्तमान उप महापौर आले मोहम्मद इकबाल को पद पर एक और कार्यकाल मिला। भाजपा उम्मीदवार सोनी पाल भी दौड़ से बाहर हो गए। सत्तारूढ़ आप ने महापौर चुनाव के परिणाम का स्वागत किया। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि शेली और एले को फिर से मेयर और डिप्टी मेयर बनने पर बधाई।

पंजाब पहुंचे पीएम मोदी चंडीगढ़ में प्रकाश सिंह बादल को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को पंजाब के मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए चंडीगढ़ में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के पार्टी कार्यालय का दौरा किया। उन्होंने प्रकाश सिंह बादल को अंतिम श्रद्धांजलि दी। इस दौरान प्रधानमंत्री काफी उदास नजए आए। एक सप्ताह पहले मोहाली में अस्पताल में भर्ती होने के बाद मंगलवार को 95 वर्षीय प्रकाश सिंह बादल का निधन हो गया था। हाल ही में, बादल की पार्टी ने 2020 में किसानों के विरोध के मद्देनजर भाजपा से नाता तोड़ लिया था। प्रकाश सिंह बादल के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर अपना दुख प्रकट किया था। उन्होंने ट्वीट में कहा था कि प्रकाश सिंह बादल के निधन से अत्यंत दुखी हूं। वह भारतीय राजनीति के एक विशाल व्यक्तित्व और एक उल्लेखनीय राजनेता थे।

9 मई तक नहीं खत्म होगा 4 फीसदी मुस्लिम आरक्षण,क्या बोली सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बीच मुस्लिम आरक्षण बड़ा मुद्दा बना हुआ है। अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी में मुस्लिमों को लगभग तीन दशक पहले 4 प्रतिशत आरक्षण दिया गया था। लेकिन राज्य सरकार ने इसे ऐं कोटे से बदल दिया। जिसके बाद यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया था। बता दें कि कर्नाटक सरकार के 4 प्रतिशत आरक्षण को रद्द करने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर होने वाली सुनवाई को 9 मई तक स्थगित कर दिया गया है। सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर-जनरल, तुषार मेहता ने आश्वासन देते हुए कहा कि नई नीति के आधार पर फिलहाल कोई भी भर्ती नहीं होगी।

बता दें कि राज्य में 10 मई को विधानसभा चुनाव होने हैं। कर्नाटक की राज्य सरकार ने 4 प्रतिशत मुस्लिम आरक्षण कोटा खत्म करने के फैसले का बचाव किया है। वहीं राज्य सरकार ने फैसले के खिलाफ चुनौती देने वाली याचिकाओं का विरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे में राज्य की बोम्मई सरकार ने कहा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। इसलिए चुनाव से पहले यह फैसला लिया गया था। इससे यह भी साबित नहीं होता है कि मुस्लिम आरक्षण संवैधानिक और स्वीकार्य है।

कोर्ट में दाखिल किए गए हलफनामे में बोम्मई सरकार ने तर्क देते हुए कहा कि यदि पहले धर्म के आधार पर आरक्षण दिया गया है, तो यह जरूरी नहीं है कि इस असंवैधानिक आरक्षण को जारी रखा जाए। सरकार ने कहा कि याचिकाकर्ता को यह भी साबित करना चाहिए कि धर्म के आधार पर दिया गया यह आरक्षण संवैधानिक है। अगर यह साबित नहीं हो पाता है तो याचिकाएं जुर्माने के साथ खारिज कर दी जाएं।

बता दें कि राज्य सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट की सुनवाई शुरू होने से पहले कहा कि वह दिन में इसका जवाब दाखिल करेंगे। उन्होंने पीठ से कहा कि वह आस ही इसका जवाब दाखिल करेंगे। लेकिन उनके सामने समस्या यह है कि वह (सॉलिसिटर जनरल) व्यक्तिगत समस्या का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समलैंगिक विवाह से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई चल रही है। जिसके कारण उन्हें संविधान पीठ के सामने भी दलील रखनी है। इसलिए इस मामले को किसी अन्य दिन के लिए सूचीबद्ध किया जाए।

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने मेहता की इस अपील का विरोध किया। दवे ने कहा कि मेहता की अपील पर पहले ही 4 बार सुनवाई टाली जा चुकी है। इससे पहले 13 अप्रैल को कोर्ट ने राज्य सरकार के इस फैसले को त्रुटिपूर्ण बताया था। बता दें कि राज्य सरकार ने मुस्लिम आरक्षण को खत्म कर वोक्कालिगा और लिंगायत समुदायों के लिए आरक्षण में दो-दो प्रतिशत वृद्धि की थी।

दंतेवाड़ा में नक्सलियों ने किया विस्फोट, 10 जवान शहीद, जांच जारी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा से बड़ी खबर आ रही है। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सलियों द्वारा किए गए विस्फोट में 10 पुलिसकर्मी शहीद हो गए हैं। इसके साथ ही इसमें एक चालक की भी मौत हो गई है। इस मामले पर गृह मंत्रालय सक्रिय हो गया है। फिलहाल इस मामले में जांच शुरू की जा चुकी है। सूत्रों ने बताया कि अरनपुर में नक्सलियों द्वारा विस्फोट किए जाने की आशंका है। आईजी बस्तर, पी सुंदरराज ने कहा कि हमले में 10 डीआरजी जवानों और एक नागरिक चालक की जान चली गई। उन सभी के शवों को मौके से निकाला जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारी वहां मौजूद हैं। तलाशी अभियान जारी है। सूत्रों ने कहा कि पुलिसकर्मी एक माओवादी विरोधी अभियान से लौट रहे थे, जिसे खुफिया सूचनाओं के बाद शुरू किया गया था। यह छि- हमला हुआ है। छि- को नक्सलियों ने प्लांट किया था। घटना पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि इस प्रकार की जानकारी है और यह दुखद है। जो जवान शहीद हुए हैं उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। यह लड़ाई अंतिम दौर में चल रही है और नक्सलियों को किसी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। हम योजनाबद्ध तरीके से नक्सलवाद को खत्म करेंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर कहा कि दंतेवाड़ा के थाना अरनपुर क्षेत्र अंतर्गत माओवादी कैडर की उपस्थिति की सूचना पर नक्सल विरोधी अभियान के लिए पहुंचे डीआरजी बल पर आईईडी विस्फोट से हमारे 10 डीआरजी जवान एवं एक चालक के शहीद होने का समाचार बेहद दुखद है। हम सब प्रदेशवासी उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनके परिवारों के साथ दुःख में हम सब साझेदार हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

स्मृति ईरानी का शेट्टार पर तंज, कहा-जो अपनी विचारधारा का नहीं हो सकता, वो कभी जनता का...

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार का भाजपा से बाहर होना चर्चा का विषय बन गया है। प्रचार जोरों पर है और भाजपा नेता लगातार मतदाताओं को

साधने की कोशिश में जुट गए हैं। भाजपा जगदीश शेट्टार के खिलाफ भी जबरदस्त अभियान चला रही है। उन सब के बीच केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने धारवाड़ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए जगदीश शेट्टार को पीठ में छुरा घोंपने वाला करार दिया। उन्होंने उन पर अपने लालच के लिए भाजपा छोड़ने का आरोप लगाया और जनता के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल उठाया। ईरानी ने कहा कि जो अपने धर्म, परिवार या विचारधारा के नहीं हो सकते, वे कभी जनता के नहीं हो सकते। उन्होंने शेट्टार से यह भी पूछा कि वह किसके नंबर दो हैं - शिवकुमार के या सिद्धारमैया के।

इसी तरह की भावनाओं को व्यक्त करते हुए, गृह मंत्री अमित शाह ने भी जगदीश शेट्टार पर तंज कसते हुए कहा कि वह चुनाव हार जाएंगे क्योंकि हुबली ने हमेशा भाजपा को वोट दिया है। शाह ने कहा कि भाजपा को कोई नुकसान नहीं होगा और शेट्टार खुद चुनाव हार जाएंगे। शाह की यह टिप्पणी शेट्टार द्वारा कर्नाटक में भाजपा की गिरती लोकप्रियता के बारे में उनकी आशंकाओं पर सवाल उठाने के बाद आई है। जगदीश शेट्टार के बीजेपी छोड़ने से लिंगायत मुद्दा सुर्खियों में आ गया है। शेट्टार समुदाय से पार्टी छोड़ने वाले दूसरे वरिष्ठ नेता हैं और उनके जाने से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है।

वहीं, हुबली में लिंगायत नेताओं के साथ अपनी बैठक के बाद, पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने कहा कि इसमें हमारे सभी महत्वपूर्ण लिंगायत नेताओं ने भाग लिया। मैंने उनसे कहा कि जगदीश शेट्टार को जीतना नहीं चाहिए। इसके लिए हमें दिन-रात काम करना चाहिए। उन सभी को मान लिया। इसके जवाब में हुबली-धारवाड़ सेंट्रल से कांग्रेस उम्मीदवार जगदीश शेट्टार ने कहा कि पिछले चुनाव में मैं इस निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के समर्थन से जीता था। मैं अब 7वीं बार चुनाव लड़ रहा हूं और जिस तरह का समर्थन मैं देख रहा हूं, उससे पता चलता है कि बीजेपी ने मेरे साथ जिस तरह का बर्ताव किया उससे इस इलाके के लोग भी आहत हुए हैं।

भाजपा ने झोंकी ताकत, प्रचार के मैदान में उतरे योगी आदित्यनाथ और शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। भाजपा ने 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। भाजपा ने अपने स्टाक प्रचारकों को मैदान में उतार दिया है। आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी कर्नाटक में भाजपा के प्रचार के लिए पहुंचे हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बेलगावी में चुनाव प्रचार किया तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के मांड्या जिले में रोड शो किया। शिवराज सिंह चौहान ने जबरदस्त तरीके से कांग्रेस पर निशाना साधा। शिवराज ने कहा कि भाजपा की सरकार में आज कर्नाटक भारत के विकास का इंजन बना है। इसके साथ ही भाजपा नेता ने कहा कि भाजपा की सरकार आए तो इफ्द पर प्रतिबंध लग जाए लेकिन सिद्धारमैया मुख्यमंत्री बनें तो इफ्द वालों को छोड़ने का पाप करें।

केंद्र ने प्रकाश सिंह बादल के सम्मान में दो दिन के राजकीय शोक की घोषणा की, अंतिम दर्शन करने चंडीगढ़ जाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने घोषणा की कि पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को सम्मान देने के लिए पूरे भारत में राजकीय शोक मनाया जाएगा। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल का निधन 25 अप्रैल की रात को हुआ। वह लंबे समय से बीमार थे। दो दिवसीय राजकीय शोक 26 से 27 अप्रैल तक मनाया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज सभी इमारतों पर आधा झुका रहेगा जहां इसे नियमित रूप से लहराया जाता है। इन दो दिनों के लिए कोई आधिकारिक मनोरंजन नहीं होगा।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल (ऐंअ) के संरक्षक प्रकाश सिंह बादल का मंगलवार को 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया। शिअद संरक्षक के निधन की पुष्टि उनके बेटे के निजी सहायक और पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने की। अनुभवी राजनेता का अंतिम संस्कार बठिंडा के बादल गांव में किया जाएगा। प्रकाश सिंह बादल ने 1970-71, 1977-80 और 2007-2017 तक पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। उनके परिवार में उनकी पत्नी सुरिंदर कौर बादल, बेटा सुखबीर सिंह बादल और बहू हरसिमरत कौर बादल हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पंजाब

के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए बुधवार को चंडीगढ़ जाएंगे। बादल का मंगलवार को मोहाली के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया था। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के वरिष्ठ नेता को सांस लेने में तकलीफ होने की शिकायत के बाद एक हफ्ते पहले मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने मंगलवार रात करीब आठ बजे अंतिम सांस ली। वह 95 साल के थे।

सूत्रों ने बताया कि प्रकाश सिंह बादल को अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी दोपहर 12 बजे चंडीगढ़ पहुंचेंगे। मोदी ने मंगलवार को बादल के निधन को "व्यक्तिगत क्षति" बताते हुए कहा था कि वह (बादल) भारतीय राजनीति की एक महान शख्सियत थे, जिन्होंने देश के विकास में अहम योगदान दिया। मोदी ने ट्वीट किया, "प्रकाश सिंह बादल के निधन से अत्यंत दुखी हूं। वह भारतीय राजनीति के एक विशाल व्यक्तित्व और एक उल्लेखनीय राजनेता थे।

उन्होंने हमारे राष्ट्र के विकास में अहम योगदान दिया। उन्होंने पंजाब की प्रगति के लिए अथक प्रयास किए और महत्वपूर्ण समय के दौरान राज्य को नेतृत्व प्रदान किया।" प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "मुझे उनके साथ हुई कई बातचीत याद है, जिसमें उनका विवेक हमेशा स्पष्ट रूप से झलकता था। उनके परिवार और अनगिनत समर्थकों के प्रति संवेदना।

कर्नाटक में बोलीं प्रियंका, हम सच्चाई के लिए संघर्ष कर रहे, राहुल पर फर्जी केस डालकर उन्हें संसद से निकाल दिया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा कर्नाटक में लगातार चुनाव प्रचार कर रही हैं। कर्नाटक के श्रृंगेरी में उन्होंने प्रचार कौ दौरान भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते

हुए आरोप लगाया कि राहुल गांधी पर फर्जी केस डालकर उन्हें संसद से निकाल दिया गया है। कांग्रेस नेता ने अपने संबोधन में कहा कि जब इंदिरा गांधी का सबसे मुश्किल संघर्ष का समय था तो यहां की जनता उनके साथ खड़ी रही। उनके खिलाफ भी एक केस लगाया गया और उनको भी संसद से निकाला गया, आप उन्हें संसद में वापस लाए। प्रियंका ने कहा कि आज उनके पोते राहुल गांधी पर उसी तरह से फर्जी केस डालकर संसद से निकाल दिया गया है और राहुल गांधी को पूरा विश्वास है कि इस देश की जनता हमारे साथ खड़ी रहेगी। हम सच्चाई का संघर्ष कर रहे हैं। वहीं, एक सभा में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि भाजपा सत्ता बनाए रखने के लिए विधायकों की खरीद-फरोख्त का सहारा लेती है, जैसा कि उन्होंने मणिपुर, गोवा, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में किया है। वे सीबीआई और ईडी को भी विधायकों को डराने के लिए भेजते हैं।इसलिए, कर्नाटक के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह कांग्रेस पार्टी को एक ठोस बहुमत प्रदान करे, जिससे हमें वह करने में सक्षम बनाया जा सके जो आवश्यक है। इससे पहले कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा की एक हालिया टिप्पणी को लेकर मंगलवार को सत्तारूढ़ पार्टी पर तीखा प्रहार किया और कहा कि कर्नाटक को मौजूदा समय के किसी नेता के आशीर्वाद की जरूरत नहीं है और 'वोट नहीं देने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आशीर्वाद' नहीं मिलने की धमकी देना' राज्य की जनता का अपमान है। उन्होंने एक चुनावी सभा में प्रदेश की भाजपा सरकार पर आरोप लगाया कि इस '40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार' ने कर्नाटक को बेशर्मी एवं बेरहमी से लूटा है। प्रियंका गांधी ने लोगों का आह्वान किया कि वे कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनाएं ताकि उनके हित में काम हो सके।

संजय राउत ने जो कुछ भी कहा है वो उनके अपने स्रोतों से ही होगा,सीएम बदलने को लेकर बोले शरद पवार

नई दिल्ली। धाराशिव में लगे एनसीपी नेता अजित पवार के पोस्टर्स ने महाराष्ट्र की राजनीति को एक बार फिर से गर्म कर दिया है। पोस्टर को लेकर शरद पवार की तरफ से टिप्पणी सामने आई है। एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि सीएम बदलने के बारे में संजय राउत ने जो कुछ भी कहा है वह उनके अपने स्रोतों से ही होगा। मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है...अजित पवार ने खुद कहा है कि उन्हें भविष्य का सीएम बताने वाला पोस्टर लगाना पागलपन है। जिले के तेर गांव के नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार को मुख्यमंत्री बनाने के लिए 'भविष्य के मुख्यमंत्री' का साइन बोर्ड लगाया गया है। राकांपा के युवा नेता पृथ्वीराज अंधले ने यह बैनर लगाया है और संत गोरोबा काका के मंदिर में दूध अभिषेक भी किया।

कालियागंज घटना पर बोलीं ममता बनर्जी

यह अस्वीकार्य,दंगे में शामिल लोगों की संपत्ति कुर्क करेगी पुलिस

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के कालियागंज इलाके में एक किशोरी की मौत के विरोध में हुई हिंसा को लेकर प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। हिंसा में कथित संलिप्तता को लेकर कुल 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है। अब इसी को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का बयान सामने आया है। ममता ने दावा किया कि बंगाल के कालियागंज में पुलिस थाना और लोगों की संपत्ति जलाने के लिए बाहरी लोगों को लाया गया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पुलिस दंगे में शामिल लोगों की संपत्ति कुर्क करने को लेकर काम करेगी। उन्होंने कहा कि कल की गुंडागर्दी जिसमें पुलिस बल पर हमला किया गया और लोगों की संपत्ति और सरकार को नुकसान पहुंचाया गया, अस्वीकार्य है।

ममता ने दावा किया कि

बंगाल में अशांति का माहौल बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि पश्चिम बंगाल में अराजकता फैलाने की साजिश को विफल करेंगे। उन्होंने कहा कि हम पश्चिम बंगाल के कालियागंज में लड़की की मौत और मंगलवार को हुई आगजनी, दोनों घटनाओं की जांच करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि मालदा में स्कूल में आग्नेयास्त्र लहराने का मामला पागलपन की हरकत नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि शव ले जाने के बाद भी पथराव किया गया। मैं पुलिस से कहूंगी कि आरोपियों को गिरफ्तार करें और उनकी संपत्ति कुर्क करें वरना ऐसी गुंडागर्दी नहीं रुकेगी।

ममता ने दावा किया कि बीजेपी बिहार से लोगों को लेकर आई। उन्होंने महिला पुलिसकर्मियों की बेरहमी से पिटाई कर दी। मैं यह नहीं कहूंगी कि कालियागंज की घटना सुनियोजित थी। यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है और हम परिवार के साथ हैं। लेकिन बाद में जो हुआ वह सुनियोजित था। पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में धारा 144 के तहत लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन कर लोगों के एक समूह ने पिछले सप्ताह एक नाबालिग लड़की का शव मिलने के मामले में प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को कालियागंज थाने में आग लगा दी। भीड़ ने थाने की इमारत के पास खड़े दोपहिया वाहनों समेत कई वाहनों में भी आग लगा दी, जो जलकर राख हो गए। हमले में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए।

शुआट्स फोटोग्राफी क्लब का प्रमाणपत्र वितरण समारोह आयोजित

आधुनिक समाचार सेवा

नैनी, प्रयागराज। फोटोग्राफी एक बेहतरीन शौक है और छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय है। शुआट्स फ़ोटोग्राफ़ी क्लब छात्रों को सर्वश्रेष्ठ फ़ोटोग्राफ़िक शॉट लेने में मदद करता है। यह छात्रों को सामाजिक बनाने और उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक कौशल में सुधार करने में भी मदद करता है। कार्यकारी अधिकारियों और स्वयंसेवकों और क्लब के सभी सदस्यों के बैच (2021-22) और (2022-23) के लिए शुआट्स फोटोग्राफी क्लब का एक प्रमाणपत्र वितरण समारोह विश्वविद्यालय परिसर में केंद्रीय पुस्तकालय के पास आयोजित किया गया था।

समारोह की शुरुआत क्लब के अध्यक्ष श्री सागर पटेल के स्वागत भाषण से हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपीसी के स्टाफ सलाहकार और शुआट्स के कार्यवाहक कुलसचिव डॉ. सी.जॉन वेस्ली थे। एसपीसी के अध्यक्ष ने पूरे सत्र में सहायक होने के लिए अधिकारियों और स्वयंसेवकों के लिए धन्यवाद भाषण दिया। शुआट्स फोटोग्राफी क्लब के सभी छात्रों के लिए मुख्य अतिथि द्वारा एक उत्साहजनक और प्रेरक भाषण भी दिया गया। तत्पश्चात दोनों सत्रों के क्लब के प्रत्येक सदस्य को मुख्य अतिथि द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। पदाधिकारियों व स्वयंसेवकों को स्मृति चिह्न भेंट किए गए। अंत में अध्यक्ष द्वारा कार्यकारी और स्वयंसेवकों के रूप में एसपीसी की नई कार्यकारी टीम की घोषणा की गई।

2023-24 के लिए नई टीम में श्री प्रवीण सिंह को अध्यक्ष जबकि श्री अभिनव कुमार को उपाध्यक्ष बनाया गया है। इसी तरह महासचिव श्री शुभम कुमार, कोषाध्यक्ष मुस्कान सिंह, स्टूडियो प्रबंधक एवं संपादक श्री नमन सिन्हा, टीम लीडर श्री विश्वा, इवेंट मैनेजमेंट श्री अविनाश कुमार को भी नामित किया गया। श्री नीतिक पटेल, आर्यन श्याम, नीलिन सरकार, गार्गी, शुभम यादव, आशीष रंजन, विशाल मणि, चिरंतन को वालिंटियर्स के रूप में चुना गया है। क्लब के सदस्यों को कुछ विशेष खिताब भी दिए गए जिसमें मोस्ट एक्टिव मेंबर - अभिनव कुमार, मोस्ट पैशनेट फोटोग्राफर - प्रवीण सिंह, बेस्ट फोटोग्राफी- चिरंतन, मोस्ट क्यूरियस फोटोग्राफर- नीतिक पटेल, मोस्ट क्रिएटिव फोटोग्राफर- आर्यन श्याम को मिला।

शुआट्स फोटोग्राफी क्लब ने विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों जैसे स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, खेल दिवस, विश्वविद्यालय दिवस, कॉलेज उत्सव आदि में हमेशा सक्रिय रूप से भाग लिया है ताकि विश्वविद्यालय के सर्वश्रेष्ठ क्षणों को कैद किया जा सके।

अवैध परिवहन एव ओवर लोडिंग चलने वाली 42 गाडियो का चालान हुआ

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र/शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में ओवर लोडिंग व अवैध परिवहन रोकने हेतु चला अभियान अवैध परिवहन और ओवर लोडिंग करने वाले 42 गाड़ियों का चालान किया गया शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में ओवर लोडिंग व अवैध परिवहन पर रोक लगाने हेतु जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह के निर्देशन में सहदेव मिश्रा अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) के नेतृत्व में दिनांक 23 व 24 अप्रैल, 2023 तक अवैध परिवहन पर रोक लगाने हेतु अभियान चलाया गया। इस दौरान परिवहन व वाणिज्य कर विभाग के साथ संयुक्त अभियान लोढ़ी बैरियर से होकर आने वाले उपखनिज के अवैध परिवहन के सम्बंध मे सघन जाँच किया गया।

यूपी सरकार का सुप्रीमकोर्ट में कैविएट दाखिल

अतीक़-अशरफ़ हत्याकांड में बिना पक्ष सुने न दिया जाए कोई आदेश, 28 अप्रैल को होनी है सुनवाई

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज।अतीक अहमद और अशरफ की पुलिस हिरासत में हत्याकांड के मामले में दाखिल की गई सुप्रीम कोर्ट की याचिका पर यूपी सरकार ने कैविएट दाखिल किया है।

यूपी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कैविएट दाखिल कर मांग की है कि बिना उनका पक्ष सुने इस मामले में कोई आदेश पारित किया जाए। बता दें वकील विशाल तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की निगरानी में कमेटी बनाकर जांच की मांग की है।

जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने 28 अप्रैल को पूरे मामले की सुनवाई करेगा। याचिकाकर्ता वकील विशाल तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में मांग की है कि अतीक और अशरफ की पुलिस कस्टडी में हत्या कि सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की निगरानी में जांच कराई जाए। याचिकाकर्ता ने अभी कहा है कि 2017 से उत्तर प्रदेश में अब तक कुल 183 हुए इनकाउंटर की जांच भी एक्सपर्ट कमेटी से कराई जाए। याचिका पर जस्टिस एस. रविंद्र भट्ट और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच 28 अप्रैल को सुनवाई करेगी।

राज्य आपदा प्राधिकरण एवं जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में मॉकड्रिल का आयोजन

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयायागराज। उ0प्र0 राज्य आपदा प्राधिकरण एवं जिला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में विशप जॉनसेन गर्ल्स स्कूल एण्ड कॉलेज व तेज बहादुर सप्रू चिकित्सालय (बेली हास्पिटल)प्रयागराज में जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में सी0एफ0ओ0 डॉ0 आर0के0पाण्डेय के निर्देशन में मॉकड्रिल का आयोजन दोनो स्थानों में किया गया,जिसमें राज्य आपदा प्राधिकरण लखनऊ से श्री निखिल गंगवार द्वारा मार्क एक्सरसाइज की निगरानी की गयी और मिनट टू मिनट कार्यक्रम को दर्शाया गया कार्यक्रम में श्री जगदम्बा सिंह अपर जिलाधिकारी (वि0 / रा0) प्रयागराज श्री अशोक कुमार सिंह प्रभारीसी0एम0ओ0 प्रयागराज, श्री संजयबनरवाल डिप्टी सी0एम0ओ0 एन0डी0आर0एफ0 के कमाण्डेण्ट श्री प्रेम कुमार पासवान, डिप्टी कमाण्डेण्ट एवं 23 कर्मचारी उपस्थित रहे एवं एस0डी0आर0एफ0 प्रयागराज की टीम के प्लाटून कमाण्डेण्ट श्री मोइद्दीन खान, सिविल डिफेंस प्रयागराज के प्रभारी नरेन्द्र शर्मा एवं फायर सर्विस टीमप्रभारी श्री नागेन्द्र प्रसाद द्विवेदी एवं आपदा मित्र की टीम द्वारा मॉक एक्सरसाइज में प्रभावी कार्यवाही की गयी।विद्यालय में अग्निशमन कार्य के पश्चात प्रभावित व्यक्तियों को 02 एन0डी0आर0एफ0 एवं 02 एस0डी0आर0एफ0 की टीम द्वारा बचाया गया एवं 02 फायर सर्विस के हाइड्रोलिक प्लेटफार्म से पांचवी मंजिल से सकुशल जीवित उतारा गया, कार्यक्रम की सराहना सभी अधिकारियों / कर्मचारियों / मीडियाबन्धु, एन0जी0ओ0 और विद्यालय प्रबन्धन, शिक्षक, बच्चों और हास्पिटल में सी0एम0एस,चिकित्सक,नर्सिंग स्टाफ, सिविल डिफेंस के चीफ कमाडिंग आफिसर श्री अनिल कुमार गुप्ता एवं डिवीजनल आफीसर श्री रौनक जी एवं एन0जी0ओ0 प्रिज्मरोज संस्थान के श्री फरहान आलम द्वारा सी0पी0आर0का प्रशिक्षण दिया गया।कार्यक्रम को जनता द्वारा सराहा गया, कार्यक्रम में लगभग 1000 लोगो ने प्रतिभाग किया।

विद्यार्थियों को मातृशक्ति ने आशीर्वाद दिया

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। सामाजिक सेवा एवं शोध संस्थान ने विद्यार्थियों उज्जवल भविष्य की कामना की । सामाजिक सेवा एवं शोध संस्थान की अंतरराष्ट्रीय अध्यक्षा डॉक्टर रश्मि शुक्ला ने कहा कि जो विद्यार्थी सफल हो गए हैं उनको हम सभी मातृशक्ति की अनेकों शुभकामनाएं और आशीर्वाद। इसी तरह आगे अच्छे नंबर से पास हो हम सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। जो बच्चे किसी कारणवश बोर्ड परीक्षा में असफल हो उन्हें किसी प्रकार का तनावग्रस्त नही होना चाहिए।यदि किसी कारण वश इस परीक्षा में सफल ना हो पाए हैं तो आगे प्रयास करें उन्हें सफलता अगलेबार बहुत अच्छे अंको से मिलेगी। अच्छे अंक से प्राप्त करने के लिए आज से ही प्रयास करें साथ में सफल विद्यार्थी के लिए मेरी परिवार ,रिश्तेदार ,पड़ोस सभी से निवेदन है कि बच्चों को किसी प्रकार का तनाव ना दें ।यह उम्र बहुत ही तूफान की होती है बच्चे कोई भी कदम उठाने में कोई भी संकोच नहीं करेंगे ।अतः घर का वातावरण स्वस्थ रखें तनाव मुक्त रखें। शिक्षार्थी को किसी प्रकार का अवसाद नहीं होना चाहिए ।सब के बच्चे अपने आप में अनोखे होते हैं। सब में कोई न कोई योग्यता होती है बस उसे तलाश कर तराशने की आवश्यकता है ।इसलिए आगे बहुत सारे रास्ते हैं सबको अच्छी मंजिल मिलेगी परंतु मेहनत लगन के साथ करनी है। इस असफलता से प्रतिज्ञा कर ले मुझे समाज का एक आदर्श नागरिक बनना है ।कभी-कभी असफलता भी विद्यार्थियों को बहुत ही आगे बढ़ाने का काम करती है जीवन को सफल बना देती है इस असफलता को अब दुबारा नहीं जीवन में आने देंगे यह प्रतिज्ञा करें और अपने कर्तव्य का पालन करें। विद्यार्थी जीवन बहुत ही संयम का होना चाहिए। नियम बंद होना चाहिए। त्याग पूर्ण होना चाहिए सामाजिक सेवा एवं शोध संस्थान गरीब विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क शिक्षा संबंधी सामग्री का वितरण करती रहती है ।इस अवसर पर नीलिमा, डॉली ,शोभा, अन्नपूर्णा, सुमन ,इंदिरा ,शकीला, सबीना ,मोंटू ,विद्या ,अलीशा, सिंपल, नीतू, शालू सभी ने अपने अपने विचार व्यक्त किए । सभी ने शुभकामना दी और उपहार दिया आशीर्वाद दिया भोजन का कार्यक्रम सबीना के घर में हुआ। सभी ने ईद त्यौहार मनाया ।एक दूसरे को गले लगाया और गीत संगीत का कार्यक्रम किया सबने मिलकर सीवईं खाई। सभी बच्चों ने इस अवसर पर जमकर आनंद लिया और खूब मन से पढ़ने का संकल्प लिया।

परीक्षा परिणाम में ईशा पब्लिक स्कूल बाबूगंज का जलवा

नसरा अंसारी ने हाईस्कूल में 92.66 अंक व इण्टरमीडिएट में पूजा गुप्ता ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किया

आधुनिक समाचार सेवा

फूलपुर। माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश द्वारा मंगलवार को हाईस्कूल व इण्टर का परिक्षा परिणाम घोषित किया गया। जिसमें क्षेत्र के ईशा पब्लिक स्कूल बाबूगंज की छात्रा नसरा अंसारी ने हाईस्कूल में 92.66 प्रतिशत अंक व बालक वर्ग में हर्षित ने 91 प्रतिशत अंक पाकर विद्यालय का मान बढ़ाया वहीं इण्टरमीडिएट बालिका वर्ग में पूजा गुप्ता ने 92 प्रतिशत व बालक वर्ग में ज्ञानसिंह यादव ने 82 प्रतिशत अंक पाकर विद्यालय के टापर बने। विद्यालय के प्रबंधक विजय पाल ने बताया कि विद्यालय के छात्र छात्राओं ने सर्वोच्च अंक प्राप्त कर जहां विद्यालय का नाम रोशन किया है वहीं अपने माता पिता व गुरूजनो का सम्मान बढ़ाया है। छात्र छात्राओं की सफलता से विद्यालय परिवार ने बच्चों को मिठाई खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय के अन्य छात्र सौम्या यादव,मो सुहेल, रिचा तिवारी, सिमरन सिंह चौहान, संजना गुप्ता, निधि पटेल, तनु कुशवाहा, तनु पटेल, महिमा यादव, साक्षी, नाजरीन, दिशा पटेल, अरीबा, इसरार,सुधांशु कुशवाहा,ज्योति यादव, आदित्य मिश्रा, प्रियांशु कुशवाहा, रौनक मिश्रा, संतोष कनौजिया, अतुल जयसवाल, मोहम्मद महफूज, मोहम्मद अयान, अयान अली, प्रांजल सिंह, तरुण यादव, अंशुमान सिंह, सुजीत पटेल,अंशुमान यादव, करण चौरसिया, विनय पाल आदि ने भी सर्वोच्च अंक पाकर जहां विद्यालय का गौरव बढ़ाया वही इंटरमीडिएट में नूर्वी सुल्तानी, मेहविश फातिमा, नंदिनी सिंह चौहान, वजीहा फातिमा, महाविस इदरीसी, साबरीन बानो, साक्षी केसरवानी, दिपाली चौधरी,साक्षी यादव व बालक वर्ग में ज्ञान सिंह यादव , निखिल यादव, मो फैसल, वसिष्ठ ,कैफ , दीपक पाल ,रिशि मौर्य, अफ़ज़ल आदि ने इण्टर मीडिएट में सर्वोच्च अंक प्राप्त किया।

15,बर्षी नाबालिग मुश्लिम लड़की का निकाह होने से रोका गया एव कार्यवाई कि गई

आधुनिक समाचार सेवा
चिन्ता पाण्डेय

सोनभद्र। जिले मे आए दिन नाबालिग बच्चीयो कि हो रही शादी कि रोकथाम मे आज दिनांक 25-04-2023 को दोपहर मे विश्वस्त सूत्रों से जानकारी प्राप्त हुआ की थाना विण्ढमगंज अन्तर्गत बुटबेढवा विण्ढमगंज में एक 15 वर्ष नाबालिग बालिका का निकाह कराया जा रहा था जिसे तत्काल संज्ञान लेते हुए जिला बाल संरक्षण अधिकारी राजेश कुमार खैरवार ने जिला बाल संरक्षण इकाई सोनभद्र से ओ आर डब्ल्यू/ दुध्दी नोडल शेषमणि दुबे, सामाजिक कार्यकर्ता वीणा राव, आकांक्षा उपाध्याय व थाना एण्टच0टी0यू प्रभारी निरीक्षक रामजी यादव, मुख्य आरक्षी धनञ्जय यादव की संयुक्त टीम गठित कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया जिसके बाद संयुक्त टीम द्वारा तत्काल विण्ढमगंज बुटबेढवा पहुंच कर नाबालिग बालिका के माता-पिता से पूछ ताछ किया गया उनके द्वारा बताया गया कि कल दिनांक 26/04/2023 को अपनी पुत्री की निकाह इटावा के रहने वाले लड़के के साथ बालिका का निकाह कराने की तैयारी कर रहे हैं तभी टीम द्वारा बालिका के माता, पिता, से बालिका के उम्र के संबंध में साक्ष्य चाहा गया बालिका के उम्र के संबंध में प्राप्त साक्ष्य के आधार पर बालिका की उम्र 15 वर्ष पाया गया टीम द्वारा बालिका के माता-पिता, व अन्य उपस्थित लोगों को बाल विवाह एक कानूनन अपराध है।

Nippon India Mutual Fund
Wealth sets you free

Mutual Fund Investor Awareness Program

To increase awareness about Mutual Funds, we conduct Investor Awareness Programmes (IAPs) across the country. Schedule of upcoming IAP is as mentioned below:

Date	Time	Location
28th April, 2023	04:00 pm	Allahabad

Venue: CPS Castle, Civil Lines, Prayagraj - 211001.
Name: Adarsh Singh | Mob. No.: 8799238224
Nippon Life India Asset Management Limited | CIN : L65910MH1995PLC220793
Good gets better
Mutual Fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.

शाइस्ता की तलाश में छापे, 1 लाख इनाम करने की तैयारी

आधुनिक समाचार सेवा

प्रयागराज। उमेशपाल मर्डर केस में वांटेड चल रहीं शाइस्तापरवीन की तलाश पुलिस ने तेज कर दी है। अशरफ की बीवी जैनब और अतीक की बहन आयशा नूरी भी पुलिस रडार पर हैं।

प्रयागराज में दोनों के छिपे होने की सूचना पर मंगलवार देर रात तक पुरामुफ्ती और हटवा के कई जगहों पर छापेमारी की गई। हालांकि, दोनों का अभी तक सुराग नहीं मिल सका है।

उमेश पाल मर्डर केस में शूटर्स के संपर्क में रहीं और उन्हें एक-एक लाख रुपए देने वाली शाइस्ता पर इनाम की राशि 50 हजार से बढ़ाकर एक लाख रुपए करने की तैयारी है।

10 किग्रा गांजा व 01 मोटर साइकिल के साथ 01 नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

आधुनिक समाचार सेवा
चिन्ता पाण्डेय

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र डॉ0 यशवीर सिंह के निर्देशन में मादक पदार्थों के तस्करी/व्यापार में संलिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में थाना रायपुर पुलिस द्वारा आज दिनांक 25.04.2023 को मुखबिर की सूचना पर नकटुआ बंधा के पास से 01 मोटर साइकिल पर कुल 10 किग्रा गांजा के साथ 01 नफर अभियुक्त 1- विनोद पासवान पुत्र लक्ष्मण पासवान निवासी ग्राम चौधरवा थाना अधौरा जनपद कैमूर भभुआ बिहार उम्र लगभग 26 वर्ष को गिरफ्तार किया गया तथा एक अभियुक्त मौके से फरार हो गया जिसकी तलास जारी है । उपरोक्त बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना रायपुर पर मु0अ0सं0-30/23 धारा-8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है ।

आधुनिक गेस्ट हाउस

विशेषताएं -
- पूर्णत: वाटर प्रूफ (टीन शेडेड)
- गेस्ट हाउस के भीतर ही पार्किंग की सुविधा
- गेस्ट हाउस के भीतर ही मन्दिर
- सम्पूर्ण गेस्ट हाउस में सीसीटीवी कैमरे की सुविधा
- छोटे-बड़े समस्त कार्यक्रमों के लिए अलग-अलग रेट
- लगभग 45000 sq. ft. एरिया के हरे-भरे वातावरण में विस्तृत गेस्ट हाउस

आधुनिक समाचार पब्लिशिंग हाउस, यूपीएसआईडीसी, रेमण्ड रोड, औद्योगिक थाने के पीछे भारत पेट्रोलियम के पहले, औद्योगिक क्षेत्र, नैनी, प्रयागराज
बुकिंग सम्पर्क सूत्र 8816897337, 9415608783, 9415608710
SATYAM # 9305124298

हाई स्कूल में कृष्णा सिंह ने जिले में किया टॉप,आईएएस बन कर सेवा करने का लक्ष्य

आधुनिक समाचार सेवा
विशाल मौर्य

मधुपूर सोनभद्र। हाईस्कूल एवं इंटर के बोर्ड परीक्षा में जिले में लगातार तीसरी बार चन्द्रगुप्त मौर्य इंटर कालेज मधुपुर में अपना परचम लहराया है। हाईस्कूल में कृष्णा सिंह जिले में प्रथम स्थान हासिल कर कालेज को गौरान्वित किया है। कृष्णा सिंह ने अपनी इस उपलब्धि के बाद सिविल सर्विस की तैयारी कर आईएएस बन कर सेवा करने का लक्ष्य बनाया है। कृष्णा के पिता ओमप्रकाश खेती के साथ बहुअरा बंगला घर पर छोटी सी दुकान चलाते हैं! जबकि माँ सारिका सिंह प्राइवेट अस्पताल में स्टॉप नर्स का कार्य करती हैं। कृष्णा ने अपनी इस सफलता के लिए माता-पिता की प्रेरणा व अध्यापकों के सहयोग को बताया है । कृष्णा सिंह ने बताया कि वह नियमित चार घण्टे

पाठ्यक्रम पुस्तकों का अध्ययन के साथ इंटरनेट पर कुछ जरूरी जानकारियां लेना, नियमित अखबार पढ़ने के अलावा कोई तनाव अपने ऊपर परीक्षा के दौरान भी हावी नहीं होने दिया । कृष्णासमग्र अध्ययन में बिश्वास एवं बाहरी दुनिया के घटनाक्रमों से अपने को हर दिन अपडेट रखते हैं। जिससे काफी आत्मबल एवं ऊर्जा मिलती रहती है। प्रथम स्थान प्राप्त करने पर कालेज प्रधानाचार्य दयाशंकर सिंह, प्रबंधक दयाशंकर कुशवाहा अध्यापकों एवं प्रबंध समिति के सदस्यों के साथ घर जा कर मिठाई खिलाकर बधाई दी।

भाजपा प्रत्याशी रूबी प्रसाद का पर्चा हो खारिज:राघवेंद्र नारायण

सोनभद्र। राबट्र्सगंज नगर पालिका परिषद चुनाव में भाजपा की प्रत्याशी रूबी प्रसाद का पर्चा खारिज होना चाहिए, क्योंकि ये राजपूत सामान्य जाति की हैं। जबकि यह सीट अनुसूचित जाति महिला के लिए अबकी बार आरक्षित है।

उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय छात्र संगठन के पूर्व अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव राघवेंद्र नारायण एवं कांग्रेस प्रत्याशी उषा सोनकर ने आपत्ति जाहिर करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश शासन समाज कल्याण अनुभाग 3 लखनऊ की ओर से 7 मई 2022 को दिए आदेश में रूबी प्रसाद की जाति राजपूत जो सामान्य जाति के अंतर्गत आती है। बताते हुए जिलाधिकारी सोनभद्र को विधिक कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया था। बावजूद इसके आज तक कोई कार्रवाई अमल में नहीं लाई गई। राघवेंद्र नारायण ने कहा कि भाजपा आज ऐसी वाशिंग मशीन बन गईं हैं जिसमें किसी भी तरह की गंदगी डालिए वह साफ होकर ही बाहर निकलती है।

एनटीपीसी सिंगरौली में ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार वितरण समारोह

आधुनिक समाचार सेवा

शक्तिनगर। एनटीपीसी सिंगरौली शक्तिनगर में ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन पुस्तकालय सभागार प्रशासन भवन में किया गया। इस अवसर पर श्री राजीव अकोटकर, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी सिंगरौली एवं सभी महाप्रबंधनगंण द्वारा सभी विजेताओं को विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे निबंध लेखन, पोस्टर पेंटिंग, ड्राइंग प्रतियोगिता, भाषण, रैली, में भाग लेने हेतु उपहार एवं प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया गया।

श्री राजीव अकोटकर ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण को हमें निरंतर अपने जीवन में अपनाना है क्योंकि ऊर्जा संरक्षण ही ऊर्जा उत्पादन है एवं हमें अन्य लोगों को ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रेरित भी करते रहना है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी एवं उन्हें जनहित में

ऊर्जा संरक्षण हेतु कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

एनटीपीसी सिंगरौली में ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के अवसर पर विभिन्न ऊर्जा संरक्षण संबंधित प्रतियोगिताओं को छात्रों, गृहिणी, सीआईएसएफ, कर्मचारी वर्ग आदि हेतु आयोजित किया गया था।

ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के दौरान विभिन्न श्रेणियों में लगभग 1300 भागीदारी दर्ज की गई।

इस अवसर पर श्री सतीश कुमार गुजरानिया, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), श्री अशोक कुमार सिंह, महाप्रबंधक (प्रचालन), श्री अमरीक सिंह भोगल, महाप्रबंधक (अनुरक्षण), यूनियन एवं एसोशिएशन समारोह के दौरान उपस्थित रहें।

किताब, कॉपी का पूरा किट पाकर बच्चों के खिले चेहरे

शिक्षा से सर्वांगीण विकास होगा ---इंदू

आधुनिक समाचार सेवा

अनपरा (सोनभद्र) दिशिता महिला मंडल अपने उद्देश्य सेवा, शिक्षा, विकास को क्रियान्वित करने में सदैव प्रयासरत्न रहता है। इसी क्रम में आज दिशिता महिला मण्डल रेनूसागर द्वारा प्राइमरी स्कूल, रेनूसागर के छोटे एल के जी के सभी सेक्शन के बच्चों को स्कूल में पढ़ने के लिए किताब ,कॉपी ,पेंसिल, रबर आदि का पूरा किट वितरण किया गया । कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि दिशिता महिला मण्डल की अध्यक्षा इन्दू यादव द्वारा किया गया। तत्पश्चात अन्य सदस्यों द्वारा किताब ,कॉपी आदि का वितरण किया, किताब ,कॉपी का पूरा सेट पाकर बच्चे फूले नही समा रहे थे। अध्यक्षा ने हर बच्चे को शिक्षित करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा कि शिक्षा न सिर्फ देश के विकास बल्कि लोगो के आर्थिक विकास हेतु भी जरूरी है , शिक्षा से लोगों का सर्वांगीण विकास होगा और समाज में ब्याप्त

कुरीतियों को भी समाप्त करने में मदद मिलेगी। बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की तथा अंत में उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि दिशिता महिला मण्डल का यह हमेसा से प्रयास रहा है कि समाज सेवा के छेत्र में अधिक से अधिक ग्रामीण एवं जरुरत मंद लोगो तक मदद पहुंचे । इस अवसर , विभा शैलेश सिंह, संगीता सिंघानिया, सहित दिशिता महिला मण्डल कि वरिष्ठ सदस्याओं के आलावा विद्यालय कि प्रधानाध्यापिका डा0 पूनम वार्ष्णेय सहित विद्यालय के सभी अध्यापिका व अध्यापक मौजूद थे ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति,सोनभद्र की 28वीं बैठक का आयोजन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति,सोनभद्र की 28वीं बैठक का आयोजन

आधुनिक समाचार सेवा

सोनभद्र। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति,सोनभद्र की 28वीं बैठक का ऑनलाइन आयोजन किया गया। बैठक में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सोनभद्र के सदस्य कार्यालयों के प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी सम्मिलित हुए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री राजीव अकोटकर, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी सिंगरौली ने कहा कि 'राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के निर्देश के अनुपालन में एवं राजभाषा हिंदी का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के लिए नियमानुसार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की छमाही बैठक आयोजित की गई है।

श्री राजीव अकोटकर ने कहा कि 'नराकास' सोनभद्र द्वारा राजभाषा नियम, अधिनियम का पालन करते हुए हिंदी के विकास के लिए सभा, संगोष्ठी, कवि सम्मेलन सहित अन्य प्रशंसनीय कार्य किए जा रहे हैं। उन्होने

हिंदी भाषा को अपने जीवनयापन की प्रमुख भाषा बनाए रखने पर ज़ोर दिया और अपने हिंदी कार्यों से अन्य व्यक्तियों को भी प्रेरित करते रहने पर बल दिया।

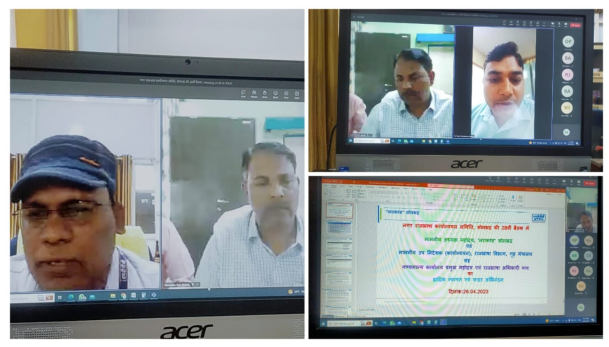

बैठक में सभी कार्यालयों के राजभाषा कार्यों की समीक्षा की गई, सदस्य कार्यालयों से हिन्दी साफ्टवेयर के अधिकाधिक प्रयोग की अपेक्षा की गई। राजभाषा कार्यशाला के माध्यम से सभी कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने पर बल दिया गया। बैठक के दौरान राजभाषा नियमों, अधिनियमों से संबंधित प्रस्तुतीकरण दिया गया। बैठक का संयोजन डॉ ओम प्रकाश,वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) एवं सदस्य सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सोनभद्र द्वारा किया गया।

गणेश जी अपनी बुद्धि के कारण प्रथम पूज्य बने - महेश पाठक शास्त्री

आधुनिक समाचार सेवा
देव मणि शुक्ल

नोएडा सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में पांचवें दिन कथा व्यास महेश पाठक शास्त्री जी ने गणेश जी एवं कार्तिक के जन्म की कथा का वर्णन किया। गणेश जी माता पार्वती और पिता शिव का सर्वाधिक सम्मान करते हैं। एक बार कार्तिक ने कहा कि मै ज्यादा बुद्धिमान हूँ । परीक्षा लेने भगवान शंकर ने कहा कि जो पृथ्वी की सात परिक्रमा सबसे पहले लगाएगा उसी को बुद्धिमान माना जाएगा। कार्तिक पृथ्वी का चक्कर लगाने के लिए निकल गए। लेकिन गणेश जी ने माता पार्वती और पिता शिव की परिक्रमा लगा ली। गणेश जी ने कहा कि माता पृथ्वी है और पिता आकाश हैं। कार्तिक बहुत समय बाद वापस लौटते हैं। शिव जी गणेश जी से प्रसन्न हो जाते हैं और वरदान देते हैं कि संसार में सबसे पहले तुम्हारी पूजा होगी। व्यास जी ने बताया कि गणेश जी

दूर्वा और सिंदूर अर्पित करने से प्रसन्न होते हैं। प्रातः काल में यज्ञाचार्य मनोहर शास्त्री एवं उप यज्ञाचार्य सुमित तिवारी के साथ विद्वान ब्राह्मणों ने सभी देवताओं का पूजन कराया तदोपरांत आहुतियां प्रदान का रुद्र यज्ञ किया गया।

आयोजन समिति के सदस्य राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 27 अप्रैल दिन गुरुवार को उमा संहिता, देवी महिमा आदि प्रसंगों का वर्णन कथा में किया जाएगा। सभी शिव भक्तजन शिव महापुराण की कथा में पधारकर, श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित करें। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य राघवेंद्र दुबे, कुटी व्यवस्थापक विकास भारती, फलाहारी महाराज, देवेंद्र गुप्ता सहित तमाम भक्तजन मौजूद रहे ।

100% Placement

सीधे प्रवेश

15% Fee Concession

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

(पहले आओ पहले पाओ)

❖ प्रशिक्षण में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों को रोजगार पाने का पूर्ण अवसर

❖ हाइस्कूल में 60% से उपर अंक लाने वाले छात्रों को प्रशिक्षण शुल्क में 15% प्रतिशत की छूट दी जायेगी।

➢ कम्प्युटर आपरेटर (कोपा) — फिटर
➢ डेटा इंट्री आपरेटर — वेल्डर
➢ फायर सेफ्टी — सीसीए
➢ कम्प्युटर टीचर ट्रेनिंग — रेफ्रीजरेटर एवं ए.सी.
➢ इलेक्ट्रीशियन — सिक्योरिटी सर्विस
➢ सीएनसी प्रोग्रामिंग — बेसिक कम्प्युटर
➢ इलेक्ट्रिक मैकैनिक — कम्प्युटर हाडवेयर

Apply Online: www.nainiiti.com | Mail us at – info@nainiiti.com

प्रवेश हेल्पलाइन नं0

8081180306 , 9415608710 , 8103021873

⇨ इण्डियन कॉफी हाउस के सामने तुलसीयानी प्लाजा , तीसरी मंजिल , सिविल लाइन , प्रयागराज।

ब्यूटी पार्लर जाने की बजाय घर पर रखें त्वचा और खूबसूरती का ख्याल

मौसम चाहे जो भी हो, हर स्त्री की तमनन होती है कि उसकी स्किन खासतौर से फेस एकदम साफ-सुथरा और सुंदर हो। लेकिन आज की भागदौड़ भरी जिदंगी में स्किन का डल होना, एक्ने और स्किन इचिंग जैसी समस्याएं आम हैं। ऐसे में आपकी क्लीन एंड क्लियर फेस पाने की चाहत कैसे पूरी हो। अब आपको पार्लर जाकर महंगे-महंगे ट्रीटमेंट करवाने की आवश्यकता नहीं है। बस कुछ रूल्स फालो कीजिए और पाइए एक दमकती स्किन। तो आईए जानते हैं कुछ ऐसे ही रूल्स के बारे में-

सफाई का रखें खास ध्यानः सबसे पहला और महत्वपूर्ण नियम है सफाई। चेहरे की नियमित सफाई के बिना एक क्लियर फेस पाना नामुमकिन है। इसलिए दिन में कम से कम दो बार अपना चेहरा अवश्य धोएं। यदि आपकी स्किन ड्राई है तो चेहरे पर साबुन की बजाय कोई माइल्ड फेस वॉश ही इस्तेमाल करें। इसके अतिरिक्त क्लीजिंग का भी सही प्रकार से प्रयोग करना बेहद आवश्यक है। कभी क्लीजिंग के लिए कोई लोशन या क्रीम इस्तेमाल करते समय उसे हमेशा चेहरे पर नीचे से ऊपर की ओर सर्कुलर मोशन में ही एप्लाई करें। इससे क्लिंजर स्किन की तह तक जाकर अधिक से अधिक गंदगी को निकाल बाहर करेगा और आपको मिलेगी एक क्लियर स्किन। साथ ही

इस बात का भी ध्यान रखें कि आप दिन में दो बार से ज्यादा अपना फेस वॉश न करें। इससे आपके चेहरे का नेचुरल ऑयल खो जाता है और त्वचा एकदम रूखी व बेजान हो जाती है। इतना ही नहीं, जब भी आप ऑफिस से शाम को घर आएं तो अपना चेहरा फेसवॉश से जरूर धोएं। बाद में स्किन को मॉइश्चराइज करने के लिए फेस मॉइश्चराइजर या टोनर का इस्तेमाल भी अवश्य करें। इससे आपकी स्किन के ओपन पोर्स भी बंद हो जाते हैं और गंदगी आपके चेहरे की भीतरी तह तक नहीं जा पाती।

घर पर बनाएं टोनरः वैसे तो मार्केट में ढेरों टोनर्स अवेलेबल हैं लेकिन अगर आप चाहें तो घर पर भी टोनर बनाकर उसे स्टोर कर सकती हैं। इनमें आप खीरे का रस निकालकर स्टोर कर लें या फिर इसे कद्दूकस करके इससे आईसक्यूब जमा लें। बाद में आप इससे अपने चेहरे पर मसाज भी कर सकती हैं। यह एक बेहतरीन टोनर है। इसके अतिरिक्त रोज वॉटर भी एक नेचुरल टोनर है। फेसवॉश करने के बाद इसे आसानी से अप्लाई किया जा सकता है। चेहरे को क्लीन एंड क्लीयर बनाने के लिए आप 20-25 नीम के पत्तों को पानी में तब तक उबालें, जब तक वह पानी हरे रंग का न दिखाई देने लगे। आप इसे किसी बोतल में भरकर स्टोर कर लें तथा हर रोज शाम को इस पानी को कॉटन पर लेकर चेहरे पर अप्लाई करें। यह एक नेचुरल स्किन टोनर की तरह काम करता है। इस पानी से चेहरे का एक्सट्रा ऑयल भी कंट्रोल होता है।

जब करें मेकअपः आजकल महिलाएं सिर्फ पार्टियों में ही नहीं, बल्कि डे-टू-डे की लाइफ में भी मेकअप का इस्तेमाल करने लगी हैं। ऐसे में मेकअप से स्किन को होने वाली हानियों से बचाना भी बेहद जरूरी है। इसलिए जब भी आप मेकअप करें तो उसे हमेशा डाउनवर्ड मोशन में ही अप्लाई करें। अर्थात् मेकअप हमेशा ऊपर से नीचे की ओर लगाना चाहिए। इससे आपकी स्किन तो निखरेगी ही, साथ ही मेकअप भी स्किन के ऊपर ही रहेगा और तह तक न जाने से त्वचा को किसी प्रकार का नुकसान भी नहीं होगा। इसके अतिरिक्त रात को सोने से पहले कभी भी मेकअप रिमूव करना न भूलें।

ब्रेक भी है जरूरीः यदि आप डेली रूटीन में मेकअप का प्रयोग करती हैं तो यह बेहद आवश्यक है कि आप अपनी स्किन को भी ब्रेक दें। जिस दिन आपको घर से बाहर न जाना हो या फिर ऑफिस की छुट्टी हो तो स्किन को भी ब्रेक दें। इससे आपकी स्किन को एक दिन के लिए हर प्रकार की एलर्जी व केमिकल्स से छुटकारा मिल जाएगा और आपको एक्ने व अन्य स्किन संबंधी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।

एक्सफोलिएशन को दें अहमियतः स्किन चाहे जैसी भी हो, उसे भीतरी तौर पर साफ करने के लिए एक्सफोलिएशन की अदद दरकार होती है। एक्सफोलिएशन के जरिए त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाकर स्किन को फ्रेश व रेडिएंट बनाया जा सकता है। एक्सफोलिएशन करते समय इस बात का ध्यान रखें कि आप सिर्फ अपने चेहरे को ही तवज्जो न दें बल्कि अपनी पूरी बॉडी व सेंसेटिव होंठों को भी अवश्य एक्सफोलिएट करें।

आपके दुल्हन लुक को और खास बना देंगे नथ के ये डिजाइन

शादी के दिन हर एक लड़की सबसे सुन्दर दिखना चाहती है। विशेष रूप से भारतीय दुल्हन अपनी शादी के बारे में बहुत सजग रहती हैं। शादी के दिन लड़कियां यही चाहती है कि सबका ध्यान उनकी तरफ ही होना चाहिए। इसलिए कपड़ों के साथ ही ज्वैलरी डिजाइंस को चुनना आपके लिए बहुत बड़ी मुसीबत का काम बन गया है तो चलिए हम आपकी थोड़ी सी मदद कर देते हैं। ज्वैलरी का सबसे खास हिस्सा होता है नाक की नथ और इसके कई सारे डिजाइन आपको मार्केट में मिल जाएंगे।

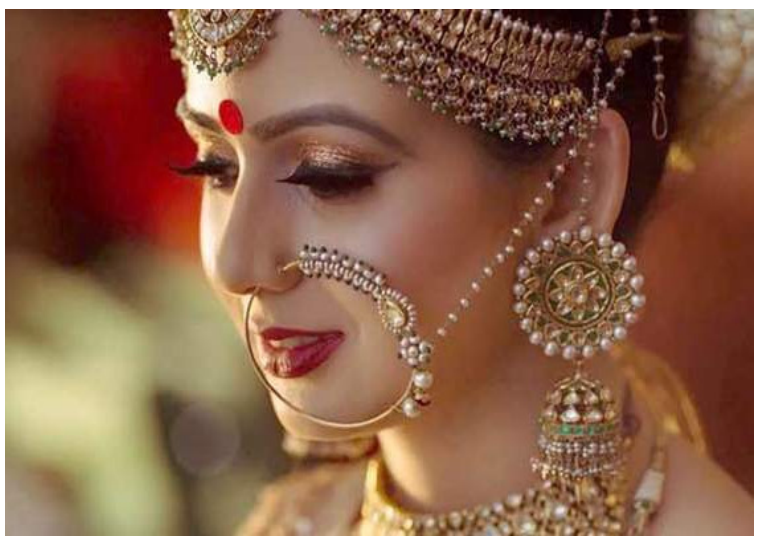

बंगाली स्टाइलः अगर आप बंगाली हैं तो हल्के क्रॉफ्ट्वर्क वाले और चैन से जुड़ी हुई नथ आप पर बहुत जंचेगी। **रिंग वाली नथः** अगर आप बहुत सिम्पल सी नथ पहनना चाहती हैं तो रिंग वाली नथ ट्राई कर सकती हैं। **जड़ाऊ नथः** राजस्थानी और मारवाड़ी दुल्हनों में इस नथ को पहनने का रिवाज है। जड़ी हुई नथ शादी के दिन बेहद खास लुक देती है। आप इसे जड़ाऊ लहंगे के साथ पहन सकती हैं। **मल्टीपल चेन वाली नथः** ऐसी नथ खासकर सॉउथ इंडियन कल्चर में ज्यादा देखी जा सकती है। लेकिन अगर आप ज्वैलरी डिजाइन के साथ एक्सपेरिमेंट करना चाहती है तो तीन चैन वाली नथ को पहनकर देखिए यह आपके चेहरे का लुक ही बदल देगी। **ब्रांज नथः** राजस्थान का ही एक और लुक है इस नथ का ये खास डिजाइन। इसे प्योर गोल्ड से बनाया जाता है जो हल्का-सा डल लुक देता है। **हूप नथः** बड़ी-सी नथ पहनने से अच्छा है कि आप छोटी सी ही नोज रिंग पहनें। यह पहनने और कैरी करने में आसान रहती है। हाल में दृष्टि धामी ने इस नथ को अपनी शादी में पहना था।

लड़कियों की पर्सनैलिटी में चार-चांद लगाएंगे ये स्टाइलिश इयररिंग

ग्लैमरस लुक के लिए पेज 3 ज्वेलरी का ट्रेंड सिटी में नजर आ रहा है। लाइट वेट के साथ डिजाइनर ज्वेलरी की डिमांड यंग गर्ल्स के अलावा 45 प्लस वुमंस में बढ़ रही है। क्योंकि अब इंडियन वेडिंग में ट्रेडिशनल कलर्स की बजाय दूसरे कलर के कॉस्ट्यूम और डिफरेंट कट्स वाले वन पीस ड्रेस पहनना फीमेल्स पसंद कर रही हैं। इस तरह की ड्रेस से मैच करने के लिए पेज 3 ज्वेलरी डिमांड में है। जब भी बात आती है ट्रेडिशनल इंडियन आउटफिट्स की तो सबसे बड़ा सवाल होता है कि इन्हें स्टाइल कैसे किया जाए, इन्हें एक्सेसराइज़ कैसे किया जाए। अकसर इंडियनवेयर के साथ हैवी गोल्ड या डायमंड जूलरी ही प्रेफर की जाती है। लेकिन समय के साथ ये ट्रेंड भी बदल रहा है। इन दिनों बॉलीवुड डीवाज़ अपने इंडियनवेयर के साथ बड़े और हैवी नेकपीसेज़ की जगह जहां चोकर्स पसंद कर रही हैं, वहीं बड़े और भारी झुमकों की जगह इन्हें ओवरसाइज़्ड लेकिन लाइटवेट स्टड्स पसंद कर रही हैं। गोल्ड से लेकर डायमंड और दूसरे स्टोन्स से बने ये स्टड्स लगभग सभी इंडियन आउटफिट्स के साथ अच्छे लगते हैं। **स्टाइलिश इयररिंगः** फैशन स्ट्रीट्स में आजकल पॉम-पॉम, आर्च, चांदबाली और थ्रेड से बने इयररिंग्स का फैशन छाया हुआ है। चाहे ऑफलाइन शॉपिंग करें या ऑनलाइन, खरीदने से पहले अपने फेस कट का ध्यान ज़रूर रखें। ये इयररिंग्स मॉडर्न भी हैं और एथनिक आउटफिट्स के साथ भी पहने जा सकते हैं। गोल यानी राउंड चेहरे के लिए डैंगल शेप वाले या टियरड्रॉप इयररिंग का चुनाव करें। इस तरह की लॉन्गा, ऐंग्युलर स्टाइल इन पर अच्छी लगेगी। हार्ट शेप वाले फेस कट पर शैंडेलियर इयररिंग अच्छे लगेंगे। चेहरे को संतुलित दिखाने के लिए ऐसे इयररिंग का चुनाव करें। पॉम-पॉम इयररिंग्स को किसी भी तरह के फेस कट पर आज़माएं। ये हर चेहरे पर खूब जंचते हैं। ओवल फेस पर हर तरह के इयररिंग्स जंचते हैं। यह कॉमन फेस कट है और ऐसे चेहरे पर कई एक्सपेरिमेंट किए जा सकते हैं।

यह रहे खूब सारे हेयर स्टाइल, आजमा कर देखिये लोग तारीफ करेंगे

महिलाएं हमेशा ही सुंदर व प्रेजेंटेबल दिखने की चाह रखती हैं इसलिए वह ड्रेस से लेकर मेकअप तक हर बात का खास ध्यान रखती हैं। लेकिन सिर्फ ड्रेस या मेकअप करने से बात नहीं बनने वाली। महिलाओं के लिए जो सबसे बड़ा झंझट होता है, वह है हेयरस्टाइल। अगर हेयरस्टाइल अच्छा न हो तो उनकी सारी मेहनत बेकार हो जाती हैं। दरअसल, एक हेयरस्टाइल आपके लुक को कंप्लीट व कॉम्पलिमेंट करने का काम करता है। तो चलिए जानते हैं त्यौहारों के सीजन में कुछ आसान व बेहतरीन हेयरस्टाइल के बारे में-

ब्रेडिंगः कुछ समय पहले तक ब्रेडिंग को काफी बोरिंग माना जाता था लेकिन अगर इसे सही तरीके से बनाया जाए तो यह काफी इंटरस्टिंग व स्टाइलिश लगती है। आप अपनी मनपंसद अनुसार फिशटेल ब्रेड, मिल्कमेड ब्रेड, फ्रेंच ब्रेड या वॉटरफॉल ब्रेड कोई भी हेयर स्टाइल चुन सकती हैं। फिशटेल ब्रेड बनाने के लिए बाल के दो भाग किए जाते हैं। इस हेयर स्टाइल को बनाने वाली महिला को सभी टुकड़ों पर ध्यान रखने की जरूरत नहीं होती। बालों की दो मुख्य लटों के तालों में मिश्रण करते रहना होता है। इसे बनाने में अधिक समय जरूर लगता है लेकिन बनने के बाद यह बहुत ही खूबसूरत व क्लासी लगता है। मिल्कमेड ब्रेड स्टाइल में डाउनवर्ड मिल्कमेड ब्रेड बनाई जाती है। इसमें बालों को तीन-चार भागों

में बांट कर फ्रेंच ब्रेडिंग बनाया जाता है। ब्रेडस को बॉबी पिन द्वारा पिनअप किया जाता है। वहीं फ्रेंच ब्रेड भी बहुत ही सुंदर व क्लासी लगती है। इसे बनाने के लिए बालों को तीन भाग में बांट कर केन्द्र पर इसे क्रॉस करते हुए नियमित रूप से चोटी की कुछ ब्रेडस बनाई जाती है। इस प्रकार के ब्रेड से एक वरसेटाइल लुक मिलता है। वॉटरफॉल ब्रेड में आधे बालों के ब्रेड्स बनाए जाते हैं और बाकी बालों को खुला छोड़ दिया जाता है। इस प्रकार की चोटी को बनाने के लिए पहले नियमित रूप से फ्रेंच चोटी बनाई जाती है। ब्रेडिंग की सबसे बड़ी खासियत यही है कि यह इंडियन के साथ-साथ वेस्टर्न और इंडो-वेस्टर्न आउटफिट्स के साथ भी अच्छी लगती है।

साइड व डबल बन जूड़ाः साइड या डबल बन जूड़ा आपको ट्रेंडी लुक देने के साथ-साथ काफी कंफर्टेबल भी रहता है। साइड बन में पहले बालों को कर्ल किया जाता है तथा उससे साइड में बन बनाया जाता है। वहीं डबल बन जूड़ा बनाने के लिए बालों को दो भागों मे बांट दें। एक भाग के बालों को छोटा बन डाल कर पोनी बनाएं। दूसरे भाग के बालों का भी छोटा बन डाल कर पहली पोनी से थोड़ी ऊपर की ओर पोनी बनाएं। पहली पोनी को रोल कर साइड से पिन लगा कर सैट करें। दूसरी पोनी को पहली पोनी के रोल से नीचे लाकर ऊपर लाएं और पिन से सैट करें। बालों के बीच में जहां थोड़ी जगह दिखती हो, फैंसी मोतीनुमा पिन से जूड़ा सजाएं।

पोनीटेलः यह हेयर स्टाइल सुनने में बहुत ही आम लगता है लेकिन यही एक ऐसा ट्रेडिशनल हेयर स्टाइल है जिसे अलग-अलग तरीकों से बांधकर हर दिन एक नया लुक आजमाया जा सकता है। पोनीटेल बांधने से पहले अपनी बालों की टाइप का अवश्य ध्यान रखें। अगर आपके बाल सीधे हैं तो बिल्कुल हाई पोनीटेल बांधें। वहीं अगर आपके बाल कर्ली है तो साइड में पोनीटेल आपको बिल्कुल चिक वाला लुक देगा। साइड पोनीटेल बांधते समय बालों को लंबा दिखाने के लिए इसे बिल्कुल ढीला बांधें।

लूज हेयरः आजकल लूज हेयर का भी काफी चलन है। इसमें आप स्ट्रेटनिंग व कर्लिंग ट्राई कर सकती हैं। इसके अतिरिक्त अगर आप थोड़ा डिफरेंट लुक चाहती है तो आगे के बालों को ट्विटस करके पिनअप करें।

त्योहारों के सीजन में स्टाइलिश दिखने के कुछ खास तरीके

त्योहारों का मौसम दस्तक देने ही वाला है। और इसके साथ ही शुरू होने वाली है जमकर शॉपिंग। त्योहारों के इस मौसम में फ्यूजन लुक अपनाएं जो आपको औरों से अलग दिखाने के साथ ही स्मार्ट लुक भी देगा। फैशन व लाइफस्टाइल ब्रांड 'वजोर डॉट कॉम' ने फ्यूजन कपड़ों के साथ त्योहारों में छा जाने के संबंध में ये सुझाव दिए हैं-साड़ी एक ऐसा गार्मेंट है जिसका ट्रेंड कभी पुराना नहीं होता है। आप इसे हर बार नए ट्विस्ट के साथ कैरी कर सकती हैं। साड़ी पहनने के अलग-अलग तरीके तो हम आपको बता ही चुके हैं, लेकिन सिर्फ ड्रेपिंग ही नहीं, आप इसमें कुछ ट्विस्ट भी

दे सकती हैं। रेग्युलर साड़ी अब काफी कॉमन हो गई है, ऐसे में आप इसके साथ एक्सपेरिमेंट करें और भीड़ से बिल्कुल अलग दिखें। हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसे ही तरीके, जो आपके साड़ी लुक को बना देंगे बिल्कुल हटके! **स्लिटेड ब्लाउज़-** रेग्युलर ब्लाउज़ की बजाए ये हाई-स्लिटेड ब्लाउज़ कैरी करें। ये आपको कुर्ते जैसा लुक देगा। प्लेन साड़ी के साथ ये स्टाइलिश एम्बेलिश्ड ब्लाउज़ शानदार लगेगा। लीक से हटकर नजर आने के लिए सिल्वर हिंट के साथ कढ़ाई या प्रिंट वाली मिडी ड्रेस पहन सकती हैं। त्योहारों का नए अंदाज में स्वागत करने के लिए आप खूबसूरत मैक्सी गाउन भी पहन सकती हैं। अगर आप अपने लुक को सिंपल लेकिन क्लासी रखना चाहती है तो जंप सूट पहन सकती हैं। आरामदायक कपड़े, हल्के या चटक रंग के जंपसूट पहनने में सहज भी महसूस होते हैं। इनके साथ आप स्टेटमेंट नेकलेस और आकर्षक कान के आभूषण पहन सकती हैं। जो महिलाएं या युवतियां अपने कपड़ों व लुक को लेकर थोड़ा उलझन में हैं, वे प्लेन टी-शर्ट के साथ धोती पैंट पहन सकती हैं। धोती पैंट खूबसूरत चटक रंगों में आते है और पहनने पर सहजता भी महसूस कराते हैं। इसके साथ बोल्ड स्टेटमेंट

नींबू से इस तरह बनाएं फेस पैक, त्वचा और बाल सँवर जाएंगे

विटामिन सी से भरपूर नींबू आमतौर पर हर भारतीय रसोई में आसानी से मिल जाता है। आमतौर पर महिलाएं अपने हाथ से बनाए भोजन का स्वाद बढ़ाने के लिए इसका इस्तेमाल करती है, लेकिन अगर अब आप चाहें तो आसानी से मिलने वाले इसी नींबू की मदद से घर पर फेस पैक बना सकती हैं। यह आपकी त्वचा से लेकर बालों तक को संवारने में आपकी मदद कर सकता है। तो आईए जानते हैं, नींबू की सहायता से बनने वाले कुछ पैक के बारे में-

नींबू व शहदः इस फेस पैक के जरिए आपको बेहद स्मूद व ग्लोइंग स्किन मिलती है। जहां नींबू एक एंटीऑक्सीडेंट होने के साथ-साथ नेचुरल ब्लीच का काम करता है, वहीं शहद स्किन को हाइड्रेट करके उसे स्मूद बनाता है। इस पैक को बनाने के लिए आप सबसे पहले एक चम्मच नींबू के रस में एक बड़ा चम्मच शहद अच्छे से मिलाएं। फिर इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 20 से 30 मिनट के लिए यूं ही छोड़ दें। जब यह मिश्रण सूख जाए तो अपना चेहरा धो लें। वहीं अगर आप इसी पैक को स्क्रब की तरह इस्तेमाल करना चाहती हैं। तो आधा चम्मच नींबू के रस में एक

चम्मच शहद व आधा चम्मच चीनी मिलाएं। फिर इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। अब चीनी की मदद से हल्की मसाज करें। चीनी के दाने आपकी स्किन को एक्सफोलिएट करके उसे ग्लोइंग बनाएंगे।

नींबू व मुल्तानी मिट्टीः यह फेस पैक खासतौर से ऑयली स्किन के लिए मददगार होता है। इसलिए इस पैक को ऑयल कंट्रोल पैक भी कहा जा सकता है। इस फेस पैक को बनाने के लिए आप एक चम्मच नींबू के रस में तीन चम्मच मुल्तानी मिट्टी अच्छे से मिलाएं। बाद में इस मिश्रण में गुलाब जल की भी कुछ बूंदें अवश्य मिलाएं। गुलाब जल आपकी स्किन को हाइड्रेट करने में मदद करेगा। अंत में इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर सूखने दें और फिर साफ पानी से चेहरा धो दें। सप्ताह में एक बार इस फेस पैक का इस्तेमाल करने से आपको काफी अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे।

नींबू और टमाटरः चूंकि यह पैक तरल रूप में होता है, इसलिए इसें लगाना आपके लिए उलझन भरा हो सकता है। लेकिन यह पैक न सिर्फ आपकी स्किन टोन को एकसमान बनाता है, बल्कि इससे आपको ग्लोइंग स्किन भी मिलती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए आप एक चम्मच नींबू के रस में एक चम्मच टमाटर का रस मिलाएं। फिर इसे थोड़ा सा लेकर अपनी स्किन पर हल्के हाथ से मसाज करें। बाद में चेहरा धो लें। इस पैक को सप्ताह में कम से कम दो बार अवश्य इस्तेमाल करें।

नींबू व जैतून का तेलः अगर आपको एजिंग के निशान जैसे झुर्रियों व आंखों के नीचे काले घेरे आदि समस्या का सामना करना पड़ता है तो आपके लिए नींबू व जैतून के तेल से बने पैक का इस्तेमाल करना बेहतर रहेगा। जैतून का तेल न सिर्फ आपकी स्किन का कायाकल्प करेगा, बल्कि यह त्वचा को हाइड्रेट करने में भी मदद करता है। इस मिश्रण को बनाने के लिए आप आधा चम्मच नींबू के रस में एक चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। फिर इस मिश्रण की मदद से आंखों के नीचे हल्के हाथों से मसाज करें। आप चाहें तो इस मिश्रण का प्रयोग पूरे चेहरे पर भी कर सकती है।

नींबू व बेसनः अगर आपके चेहरे पर बाल है और आप उन्हें घर पर ही हटाना चाहती हैं तो आप नींबू व बेसन से बने फेस पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे बनाने के लिए आप एक चम्मच नींबू के रस में तीन चम्मच बेसन व एक चम्मच कच्चा दूध मिलाकर एक पेस्ट तैयार कर लें। फिर इसे चेहरे पर लगाकर सूखने दें। उसके बाद चेहरा धो लें। इस फेस पैक को सप्ताह में एक बार इस्तेमाल किया जा सकता है। जहां नींबू स्किन को एक्सफोलिएट करता है, वहीं दूध स्किन को हाइड्रेट करने व बेसन स्किन को स्क्रब करने में मदद करता है।

जानें क्या है खर्राटे आने की वजह और आप इससे कैसे बच सकते हैं?

अधिकतर लोग यही सोचते हैं कि खर्राटे सिर्फ पुरुषों को आते है महिलाओं को नहीं, जबकि इस बात में बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। खर्राटे किसी को भी आ सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि गले का पिछला हिस्सा जब संकरा हो जाता है और ऑक्सीजन जब उस रास्ते से होकर जाती है तब आसपास के टिशू वाईब्रेट करने लगते हैं। इसी वजह से खर्राटे आते हैं। खर्राटों की वजह से लोगों की नींद तो खराब होती ही है साथ ही साथ इसे अच्छी आदत भी नहीं माना जाता है। इसलिए हर कोई इससे बचने के उपाय ढूंढता रहता है। तो चलिए, आज हम आपको बताते है कि आप खर्राटों से बचने के लिए क्या उपाय करें।

1. सोने के तरीके में बदलाव - अगर आपको एक ही करवट पर सोने की आदत है तो अपनी इस आदत को आज ही बदल दीजिए क्योंकि एक ही करवट से सोने पर खर्राटों की समस्या बढ़ जाती है।

2. नाक को साफ रखें- आपको हमेशा अपनी नाक को साफ रखना चाहिए क्योंकि नाक से हम सांस लेते है और सांस लेने में समस्या के कारण ही हमे खर्राटे आते हैं।

3. गर्म पानी का सेवन - गर्म पानी के सेवन से गले की नलियां खुलती है और हम आराम से सांस ले पाते हैं। इसलिए रोज सोने से पहले गर्म पानी का सेवन जरूर करें।

4. ठंडी चीजों का सेवन न करें - ठंडी चीजों का सेवन करने से हमारे गले में सिकुड़न होने लगती है, जो खर्राटों का कारण बनती है। इसलिए ठंडी चीजों के सेवन से परहेज करें।

5. अधिक दवाइयों का सेवन - ज्यादा हैवी दवाइयां और नींद की गोलियां खर्राटों की समस्या को बढ़ा देती हैं। कहा जाता है कि खांसी की दवाइयों की वजह से शरीर की मांसपेशियों को आराम मिलता है जिसकी वजह से भी खर्राटे आते हैं।

6. ज्यादा शराब का सेवन - बहुत कम लोग इस बात को जानते है कि ज्यादा शराब के सेवन से भी खर्राटे आने शुरू हो जाते है। ज्यादा शराब के सेवन से हमारे शरीर की मांसपेशियों को आराम मिलता है जिसमें जीभ और गले की मांसपेशियां भी शामिल होती है। इस वजह से भी खर्राटे आते है।

7. मोटापा कम करें - अगर आपको मोटापे की समस्या है तो आज ही से अपने शरीर का वजन कम करना शुरू कर दें, क्योंकि अधिक वजन होने की वजह से टिशू अधिक फैटी हो जाता है जो गले को खुलने से रोकता है जिसकी वजह से सांस लेने में परेशानी होती है और खर्राटे आते है।

मेकअप से जुड़े यह खास टिप्स आपके लुक को निखार देंगे

बाजार में मिलने वाले हर प्रॉडक्ट की अपनी एक शेल्फ लाइफ होती है, फिर चाहे बात दवाइयों की हो, पैक्ड फूड की या फिर मेकअप की। उनकी डेट एक्सपायर हो जाने के बाद भी लोभ के कारण उन्हें इस्तेमाल करना काफी घातक होता है। अगर बात मेकअप प्रॉडक्ट की हो तो कुछ प्रॉडक्ट ऐसे होते है, जिनकी शेल्फ लाइफ काफी कम होती है या फिर अक्सर ऐसा भी होता है कि आप कोई प्रॉडक्ट घर ले आती हैं, लेकिन बाद में वह आपकी स्किन पर सूट नहीं करता या फिर आपको उसका कलर पसंद नहीं आता। ऐसे में वह बेकार हो जाता है। यह तो हम सभी जानते है कि मेकअप प्रॉडक्ट काफी महंगे आते हैं और उन्हें यूं ही फेंकने में काफी तकलीफ होती है। लेकिन आपके किसी भी प्रॉडक्ट की डेट निकल गई है तो उसे फेंकने की कोई जरूरत नहीं है। आप चाहें तो और भी कई तरीकों से इस्तेमाल कर सकती हैं- **मस्कारा व लाइनरः** जब आप बाजार से लाइनर लाती है तो कुछ ही समय बाद वह ड्राई व बेजान हो जाता है फिर चाहे वह लिक्विड लाइनर हो या लाइनर पेंसिल। ऐसे में उन्हें मेकअप के दौरान इस्तेमाल करना काफी कठिन हो जाता है। लेकिन इन लाइनर पेंसिल को आप अपने बच्चों की स्केचिंग, क्रॉफ्ट वर्क, आउटलाइनिंग व किसी चीज को मार्क करने के लिए इस्तेमाल कर सकती है। वहीं अगर आपका मस्कारा एक्सपायर हो गया है तो आप सबसे पहले इसे डिश सोप की मदद से अच्छी तरह साफ करें। और फिर इस मस्कारे को आप ब्रो ब्रश या लैश ब्रश की तरह इस्तेमाल करें। इतना ही नहीं, आप इस मस्कारे की मदद से अपने होंठों को स्क्रब करके उसे एक्सफोलिएट भी कर सकती हैं। बस इसके लिए आपको इस मस्कारे को अपने होंठों पर हल्के हाथों

से रब करना होगा। इससे आपके होंठों की डेड स्किन बाहर आ जाएगी और आपके होंठ फिर से गुलाबी हो जाएंगे। अगर आपको पेंटिंग करना अच्छा लगता है तो आप इसके लिए मस्कारा ब्रश का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। बस आप मस्कारा को वाटर कलर की बोतल में डुबोकर हाथों की सहायता से अपनी ड्राइंग पर छिड़कें। यकीन मानिए, यह मस्कारा रूपी ब्रो ब्रश पेंटिंग को बेहद ही खूबसूरत आकार दे देगा। **लिपस्टिकः** एक्सपार्यड लिपस्टिक को कभी भी अपने होंठों पर इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अगर आपकी लिपस्टिक की शेप व कलर में पहले से काफी अंतर आ गया है तो समझ लीजिए कि उसकी डेट निकल चुकी है। ऐसे में आप उसे बतौर लिपस्टिक नहीं, बल्कि मार्कर की तरह इस्तेमाल कीजिए। इसके अतिरिक्त आप इन लिपस्टिक को अपने बच्चों की ड्राइंग बुक में बतौर कलर भी इस्तेमाल कर सकती है।

स्किन टोनरः अधिकतर स्किन टोनर्स में काफी मात्रा में एल्कोहल पाया जाता है, जिसके कारण यह आपकी स्किन को टोन करने का काम करते हैं। लेकिन अगर आपके स्किन टोनर की डेट निकल गई है तो आप इसे अपनी स्किन पर नहीं बल्कि मोबाइल स्क्रीन, मिरर, ग्लास, एलईडी की स्क्रीन आदि साफ करने के लिए इस्तेमाल कीजिए। इससे वह एकदम चमक जाएंगे। इसके अतिरिक्त आप स्किन टोनर की मदद से घर में मौजूद लेदर की चीजें जैसे हैंडबैग्स व जूते आदि भी साफ कर सकती है, लेकिन ध्यान रखें कि आपका टोनर व्हाइटनिंग बेस का न हो। **पाउडर व परफ्यूमः** टेलकम पाउडर या बेबी पाउडर भी कुछ समय के बाद एक्सपायर हो जाते हैं। ऐसे में उनका इस्तेमाल अपनी हील वाली सैंडिल करना एक अच्छा आईडिया हो सकता है। ऐसा करने से हील्स के पैड्स सॉफ्ट रहते है, साथ ही यह आपके पैरों के तलवों में निकलने वाले पसीने को काफी हद तक कंट्रोल करते हैं। सॉफ्ट पैड के कारण जहां आपको चलने में आसानी होती है, वहीं दूसरी ओर पसीना कम निकलने के कारण आप लंबे समय तक फ्रेश फील करती हैं। ठीक इसी तरह, एक्सपायर परफ्यूम की मदद से घर को भी महकाया जा सकता है। इससे जब भी आप अपना पंखा ऑन करेंगी तो पूरा कमरा महक उठेगा। वहीं टेबल व लैम्प आदि परफ्यूम से साफ करने से पूरे घर में लंबे समय तक महक बरकरार रहेगी।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव का कब्जा बरकरार, मगर खतरे में पड़ती दिख रही पोजिशन

नई दिल्ली। एक तरफ देशभर में इंडियन प्रीमियर लीग का जोश देखने को मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर आईसीसी ने भी टी20 क्रिकेट समेत सभी फॉर्मेट की नई रैंकिंग भी जारी कर दी है। इस रैंकिंग के बाद काफी बदलाव देखने को मिल रहा है। नई रैंकिंग जारी होने के बाद भारतीय फैंस को राहत मिली है।

एक तरफ नई रैंकिंग जारी होने के बाद न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन और पाकिस्तान के इफ्तिखार अहमद पांच मैचों की श्रृंखला खत्म होने के बाद आईसीसी टी20 पुरूषों की रैंकिंग में कैरियर की सर्वोच्च पायदान पर पहुंच गए है। वहीं लंबे समय से टी20 क्रिकेट में शीर्ष पायदान पर कब्जा जमाकर बैठे मिस्टर 360 डिग्री के नाम से फेमस सूर्यकुमार यादव टी20 रैंकिंग में अब भी शीर्ष स्थान पर बने हुए है।

हालांकि लंबे समय से सूर्य कुमार यादव कोई खास कमाल मैच में नहीं कर सके है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव की ये कुर्सी काफी खतरे में पड़ गई है। सूर्यकुमार यादव रैंकिंग में शीर्ष

पर हैं और शीर्ष दस में अकेले भारतीय हैं। मगर अब पहले और दूसरे नंबर के बल्लेबाज के बीच फासला काफी कम हो गया है। सूर्य कुमार यादव को आने वाले दिनों में कोई नया टी20 मुकाबला नहीं खेलना है। ऐसे में उनकी कुर्सी खतरे में पड़ती दिख रही है।

श्रृंखला में सर्वाधिक 290 रन बनाने वाले चैपमैन ने 48 पायदान की छलांग लगाकर 35वें स्थान पर कब्जा किया। इससे पहले वह फरवरी 2018 में 54वें स्थान पर पहुंचे थे। वहीं आखिरी मैच में 36 रन बनाने वाले इफ्तिखार छह पायदान चढ़कर 38वें स्थान पर पहुंच गए हैं। मोहम्मद रिजवान दूसरे और बाबर आजम तीसरे स्थान पर हैं। इफ्तिखार इससे पहले पिछले साल नवंबर में 43वें स्थान पर पहुंचे थे। न्यूजीलैंड के चाड बोवेस 82 पायदान चढ़कर 118वें स्थान पर हैं जबकि ईश सोढी गेंदबाजी में 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के हरफनमौला इमाद वसीम बल्लेबाजों की रैंकिंग में 15 पायदान चढ़कर 127वें स्थान पर हैं जबकि गेंदबाजों की रैंकिंग में 120 पायदान ऊपर 93वें स्थान पर पहुंच गए हैं। हरफनमौलाओं की रैंकिंग में वह 44 पायदान चढ़कर 24वें स्थान पर हैं।

आंकड़ों के अनुसार सूर्य कुमार यादव 906 रेटिंग के साथ शीर्ष स्थान पर बने हुए है। वहीं दूसरे नंबर पर मोहम्मद रिजवान आ गए हैं जिनके पास 811 रेटिंग है। ऐसे में दोनों खिलाड़ियों के बीच अब 100 अंकों का फासला भी नहीं बचा है। वहीं तीसरे स्थान पर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का कब्जा है जिनके 756 अंक है।

गेंदबाजों की रैंकिंग में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने 710 की रेटिंग के साथ शीर्ष पर कब्जा जमाया हुआ है। उनके बाद फजल हक फारूखी 692 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं तीसरे स्थान पर जोश हेजलवुड है। खास बात है कि टी20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में किसी भारतीय खिलाड़ी को जगह नहीं मिली है। हालांकि ऑलराउंडर की लिस्ट में शीर्ष पर शाकिब अल हसन का कब्जा है वहीं दूसरे स्थान पर हार्दिक पांड्या का नंबर है। इस शीर्ष ऑलराउंडर की लिस्ट में भी हार्दिक पांड्या के अलावा किसी खिलाड़ी को जगह नहीं मिली है।

सुनील गावस्कर ने दिया भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान को ब्रेक लेने का सुझाव, इस कारण दी हिदायत

नयी दिल्ली। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि मुंबई इंडियंस और भारत के कप्तान रोहित शर्मा को मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से थोड़े समय के लिए विश्राम लेना चाहिए ताकि वह जून में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए खुद को तरोताजा रख सकें। गावस्कर ने कहा कि रोहित मुंबई इंडियंस के आईपीएल अभियान के दौरान आखिरी तीन चार मैचों में वापसी कर सकते हैं ताकि वह डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए लय में रहें। डब्ल्यूटीसी फाइनल सात जून से लंदन के ओवल में शुरू होगा जबकि आईपीएल का फाइनल 28 मई को खेला जाएगा। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल में अभी तक सात मैच खेले हैं और रोहित को बल्लेबाजी में मिश्रित सफलता मिली है। उन्होंने आईपीएल में अब तक 181 रन बनाए हैं जिसमें एक अर्धशतक शामिल है। उनका औसत 25.86 और स्ट्राइक रेट 135.07 है। गावस्कर ने कहा,"मैं इमानदारी से यह कहना चाहूंगा कि रोहित को कुछ समय के लिए विश्राम लेना चाहिए और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए खुद को फिट रखना चाहिए। वह आखिर के कुछ मैचों के लिए वापसी कर सकते हैं लेकिन अभी उन्हें खुद को कुछ समय के लिए विश्राम देना चाहिए।" उन्होंने कहा," मेरा मानना है कि इस स्तर पर उन्हें थोड़ा विश्राम की जरूरत है। वह आखिर के तीन या चार

मैचों के लिए वापसी कर सकते हैं ताकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए उनकी लय बनी रहे।" गावस्कर ने कहा कि हो सकता है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के महत्व को देखते हुए रोहित उसके बारे में सोचने लग गए होंगे। उन्होंने कहा," अभी मैं मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी क्रम में कुछ बदलाव देखना चाहूंगा। वह (रोहित) थोड़ा चिंतित नजर आ रहा है। हो सकता है कि इस स्तर पर वह डब्ल्यूटीसी (फाइनल) के बारे में सोच रहा हो,मैं नहीं जानता।" मुंबई इंडियंस की टीम अभी तक साम मैचों में तीन जीत से सातवें स्थान पर काबिज है और गावस्कर का मानना है कि कोई चमत्कार ही उसे प्लेऑफ में जगह दिला सकता है। उन्होंने कहा," अभी वे जिस स्थिति में है वैसे में अगर वे प्लेऑफ में जगह बनाते हैं तो यह चमत्कार होगा। वे नंबर चार पर रह सकते हैं लेकिन उन्हें बल्लेबाजी और गेंदबाजी में असाधारण प्रदर्शन करना होगा।

टीम भारत के लिए बड़ा झटका, ऋषभ पंत का एशिया कप और विश्व कप से बाहर होना तय

नई दिल्ली। क्रिकेटर ऋषभ पंत को हर कोई जल्द ही मैदान पर वापसी करते देखाना चाहता है। हालांकि, ऋषभ पंत की मैदान पर वापसी अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। आपको बता दें कि नए साल की पूर्व संध्या पर एक गंभीर कार दुर्घटना में वह घायल हो गए थे। इलाज के बाद वह रिकवर हो रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद, विकेटकीपर-बल्लेबाज को बैसाखियों के सहारे चलते देखा गया है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के चल रहे संस्करण में दिल्ली कैपिट्ल को समर्थन देने के लिए अरुण जेटली स्टेडियम का भी दौरा किया। हालांकि, अब जो खबर आ रही है वह भारत के लिहाज से अच्छी नहीं है। अभी भी ऋषभ पंत कई महीनों तक क्रिकेट से दूर रह सकते हैं। जानकारी के मुताबिक पंत के सितंबर में होने वाले एशिया कप और इस साल अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले विश्व कप में खेलने की उम्मीद बेहद ही कम है।

सचिन तेंदुलकर को पछाड़ कर आगे निकल गए बेटे अर्जुन, आईपीएल मुकाबले में कर दिया कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में 25 अप्रैल को गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मुकाबले में अर्जुन तेंदुलकर ने ऐसा कारनामा किया है कि हर तरफ उनकी चर्चा हो रही है। आईपीएल के पिछले सीजन में बैठे रहने के बाद इस सीजन में अर्जुन ने आईपीएल में डेब्यू किया है। इस सीजन में वो हर मुकाबले में चर्चा का विषय रहे हैं।

मुंबई इंडियंस के लिए खेलने वाले अर्जुन तेंदुलकर गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में भी टीम का हिस्सा बने थे। इस मुकाबले में उन्होंने ऐसा कारनामा कर दिया है जिसके बाद उनकी फिर से चर्चा हो रही है। इस बार अर्जुन तेंदुलकर ने अपने पिता को एक खास मामले में पछाड़ दिया है। बता दें कि 25 अप्रैल को मुंबई इंडियंस का मुकाबला गुजरात टाइटंस के बीच खेला गया था जिसमें मुंबई की टीम को 55 रनों के बड़े अंतर से मात खानी पड़ी थी।

इस मुकाबले में मुंबई इंडियंस के 18वें ओवर में पीयूष चावला के पवेलियन लौटने के बाद अर्जुन तेंदुलकर आठवें नंबर पर मैदान में उतरे जहां उन्होंने नौ गेंद पर एक छक्के की मदद से 13 रन बनाए। इस पारी को वो लंबा नहीं चला सके और अंतिम ओवर में मोहित शर्मा ने उन्हें अपना शिकार बनाया। इस मुकाबले में उन्होंने कोई खास कमाल तो नहीं किया मगर एक मामले में वो अपने पिता सचिन तेंदुलकर से

आगे निकल गए।

इस मुकाबले में अर्जुन तेंदुलकर ने आउट होने से पहले मोहित शर्मा की ही गेंद पर धमाकेदार छक्का जड़ा। बता दें कि ये पहला मौका था जब अर्जुन तेंदुलकर को आईपीएल करियर में बल्लेबाजी करने का मौका मिला था। इस मुकाबले में जब उन्होंने छक्का जड़ा तो उसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

इस मुकाबले के अंतिम ओवर में ऑरलाउंडर अर्जुन तेंदुलकर क्रीज पर बल्लेबाजी कर रहे थे। अर्जुन को पहली गेंद गेंदबाज मोहित शर्मा ने डाली तो वो उसपर टूट पड़े और पहली ही गेंद मे छक्का जड़ दिया। अर्जुन ने इस गेंद पर धमाकेदार छक्का जड़ा। अर्जुन तेंदुलकर द्वारा जड़ा गया ये छक्का देखकर मोहित शर्मा का मुंह लटक गया था। बता दें कि अब तक अर्जुन तेंदुलकर चार मैचों में तीन विकेट हासिल कर चुके है। उन्होंने 13 रन भी बनाए है।

इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने शानदार जीत दर्ज की और 55 रनों के बड़े अंतर से मुंबई इंडियंस को मात दी। गुजरात की इस जीत के हीरो रहे अफगानिस्तानी स्पिनर नूर अहमद और राशीद खान जिन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की, जिसके सामने मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज टिक नहीं सके।

पांच बार की आईपीएल चैंपियन ने टेक दिए डिफेंडिंग चैंपियन के आगे घुटने

मुम्बई और गुजरात के बीच खेले गए मैच में ये था टर्निंग पॉइंट

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस ने इस सीजन का अपना सबसे बड़ा स्कोर मुंबई इंडियंस से खिलाफ खेलते हुए अपने घरेलू मैदान में बनाया। इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने शानदार जीत दर्ज की और 55 रनों के बड़े अंतर से मुंबई इंडियंस को मात दी। गुजरात की इस जीत के हीरो रहे अफगानिस्तानी स्पिनर नूर अहमद और राशीद खान जिन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की, जिसके सामने मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज टिक नहीं सके।

इस मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद गुजरात टाइटंस पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। इस टूर्नामेंट में गुजरात की ये पांचवी जीत थी। बता दें कि ये मुकाबला काफी रोमांचक रहा था, जिसमें मुंबई की टीम के गेंदबाज बेड़ागर्क करते दिखे। इसके बाद बल्लेबाजों ने भी कोई खास कमाल नहीं किया। एक के बाद एक लगातार बल्लेबाज आउट होते गए। ऐसा लग रहा था मानों टीम के बल्लेबाजों को कहीं और जाने की जल्दी है इसलिए वो क्रीज पर रुक ही नहीं रहे। वहीं गुजरात टाइटंस के लिए अफगानिस्तानी स्पिनर नूर अहमद और राशीद खान ने बेहतरीन खेल दिखाया।

बता दें कि अभिनव मनोहर और डेविड मिलर के बीच 35 गेंद में 71 रन की साझेदारी के दम पर बड़ा स्कोर खड़ा करने के बाद नूर अहमद और राशिद खान की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन से

गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मुकाबले में मंगलवार को मुंबई इंडियंस को 55 रन से शिकस्त दी। मैन ऑफ द मैच मनोहर ने 21 गेंद में 42 रन की पारी में तीन चौके और तीन छक्के लगाए जबकि मिलर ने 22 गेंद में दो चौके और चार छक्के की मदद से 46 रन बनाये। आखिरी ओवरों में राहुल तेवतिया ने पांच गेंद में तीन छक्के की मदद से नाबाद 20 रन का योगदान दिया। मगर गुजरात टाइटंस ने 14 ओवर में चार विकेट गंवाकर 113 रन बनाए थे। इसके बाद उम्मीद थी कि छह ओवर में गुजरात 170-180 रन बना सकेगी। मगर मुंबई के गेंदबाजों ने इसके बाद बेहद निराशाजनक प्रदर्शन किया और गुजरात के बल्लेबाजों ने इसका जमकर फायदा उठाया। बल्लेबाजों ने मुंबई के गेंदबाजों की धुलाई की।

इसके बाद मुंबई इंडियंस की टीम मैच में वापसी नहीं कर सकी। मुंबई की टीम के गेंदबाजों और फिल्डरों ने इतना खराब प्रदर्शन किया कि अंतिम 4 ओवर में गुजरात टाइटंस ने 77 रन बनाए। ये अंतिम चार ओवर काफी महत्वपूर्ण रहे, जिससे गुजरात की टीम को जीत मिली। अगर मुंबई इन ओवरों में दमदार फिल्डिंग करती तो शायद गुजरात इस सीजन का सर्वाधिक स्कोर खड़ा नहीं कर पाती और मुंबई की टीम इतने बड़े अंतर से हार का सामना नहीं करती।

रोहित ने पीयूष को लताड़ा, गुजरात जायंट्स के खिलाफ मैच के बीच खोया आपा

मुम्बई। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा आमतौर पर काफी शांत कप्तान माने जाते है। हिटमैन मुश्किल समय में भी अपना आपा नहीं खोते हैं और शांति से परिस्थिति को हैंडल करते है। मगर इसका अर्थ ये नहीं है कि रोहित को कभी गुस्सा ही नहीं आता है। इसका ताजा उदाहरण 25 अप्रैल को मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस के बीच खेले गए मुकाबले में देखने को मिला।

इस मुकाबले में रोहित शर्मा फिल्डरों पर सख्ती बरतते नजर आए क्योंकि खिलाड़ियों ने काफी खराब फिल्डिंग की थी। इसी बीच रोहित शर्मा ने खिलाड़ियों पर काफी गुस्सा किया। गुजरात टाइटंस और मुंबई इंडियंस के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मैच खेला गया था। इस मुकाबले में गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 207 रन बनाए, जिसके जवाब

में मुंबई इंडियंस सिर्फ 152 रन बना सकी। इस मुकाबले में रोहित शर्मा अपने खिलाड़ियों पर जमकर बरसे। कप्तान रोहित शर्मा पीयूष चावला पर गुस्सा हुए थे। दरअसल 17वें ओवर में पीयूष चावला ने मिस फिल्ड किया था। ओवर में मेरेडिथ ने यॉर्कर डिलीवरी की थी। इस गेंद पर मनोहर ने थर्ड मैन पर शॉट खेला था। इस दौरान पीयूष चावला मैदान पर थे, मगर गेंद उनके पैरों के बीच से होकर निकल गई जिससे चौका लग गया। कप्तान रोहित शर्मा पीयूष चावला द्वारा की गई इस मिसफिल्डिंग से काफी नाराज हुए और उनपर गुस्सा भी किया। खुद पीयूष चावला भी अपनी खराब गेंदबाजी से निराश दिखे।

अभिनव मनोहर और डेविड मिलर के बीच 35 गेंद में 71 रन की साझेदारी के दम पर बड़ा स्कोर खड़ा करने के बाद नूर अहमद और राशिद खान की अगुवाई में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 55 रन से शिकस्त दी। मैन ऑफ द मैच मनोहर ने 21 गेंद में 42 रन की पारी में तीन चौके और तीन छक्के लगाए जबकि मिलर ने 22 गेंद में दो चौके और चार छक्के की मदद से 46 रन बनाये। आखिरी ओवरों में राहुल तेवतिया ने पांच गेंद में तीन छक्के की मदद से नाबाद 20 रन का योगदान दिया। गुजरात के लिए सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने भी 34 गेंद में 56 रन की पारी खेली। गुजरात टाइटंस ने छह विकेट पर 207 रन बनाने के बाद मुंबई इंडियंस को नौ विकेट पर 152 रन पर रोक दिया।

चेन्नई सुपर किंग्स से पार पाना आसान नहीं होगा राजस्थान रॉयल्स के लिए

जयपुर। पिछले दो मैचों में हार से पस्त राजस्थान रॉयल्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में गुरुवार को यहां चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ वापसी करने की उम्मीद से मैदान पर उतरेगा लेकिन लगातार तीन जीत से उत्साह से ओतप्रोत महेंद्र सिंह धोनी की टीम से पार पाना उसके लिए आसान नहीं होगा। रुतुराज गायकवाड़, डेवोन कॉनवे, अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे की शानदार बल्लेबाजी से चेन्नई ने पिछले तीन मैचों में आसान जीत दर्ज की। ऐसे में इस मैच में चेन्नई के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों और राजस्थान के विश्वस्तरीय स्पिनरों के बीच रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है।

कॉनवे ने इस सत्र में अभी तक शानदार बल्लेबाजी करके सात मैचों में 314 रन बनाए हैं जबकि अजिंक्य रहाणे के आक्रामक तेवर सभी टीमों पर भारी पड़ रहे हैं। उन्होंने रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ केवल 29 गेंदों पर नाबाद 71 रन की तेजतर्रार पारी खेली थी। रहाणे अभी तक पांच मैचों में 209 रन बना चुके हैं और उनका स्ट्राइक रेट 199.04 है। रॉयल्स के लिए यह राहत की बात है कि उसने इस सत्र में चेन्नई के खिलाफ पिछला मैच

जीता था। उस मैच में भी धोनी ने एक समय चेन्नई को जीत के करीब पहुंचा दिया था लेकिन आखिर में उनकी टीम को घरेलू दर्शकों के सामने तीन रन से हार का सामना करना पड़ा था।

लेकिन तब से लेकर चीजें काफी बदल चुकी हैं तथा चेन्नई पांच जीत से 10 अंक लेकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच चुका है। सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुरुवार को होने वाले मैच में जीत से उसने प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाओं को मजबूती मिलेगी। इसके लिए वहां राजस्थान को उसके घरेलू मैदान पर हराने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। लगातार दो मैचों में हार से राजस्थान अपनी टीम का अभियान वापस पटरी पर लाने के लिए बेताब होगा और चेन्नई की मजबूत टीम के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगा।

यदि राजस्थान को चेन्नई को हराना है तो उसके चोटी के बल्लेबाजों जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिच से स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है और ऐसे में राजस्थान के स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। राजस्थान रॉयल्स भले ही अपने घरेलू मैदान पर खेल रहा होगा लेकिन इस बात की पूरी संभावना है कि दर्शकों से धोनी को अपार समर्थन मिलेगा जैसे कि कुछ दिन पहले कोलकाता में हुआ था। माना जा रहा है कि धोनी अंतिम बार आईपीएल में खेल रहे हैं।

टीम इस प्रकार हैं : चेन्नई सुपर किंग्सः महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान और विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायडू, मोइन अली, बेन स्टोक्स, रवींद्र जडेजा, अजिंक्य रहाणे, सिसंडा मगाला, शिवम दुबे, ड्वेन प्रिटोरियस, अहय मंडल, निशांत सिंधु, राजवर्धन हैंगरगेकर, मिचेल सेंटनर, सुभांशु सेनापति, सिमरजीत सिंह, मथीसा पथिराना, महेश तीक्ष्णा , भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, शेख रशीद, तुषार देशपांडे। राजस्थान रॉयल्सः संजू सैमसन (कप्तान), अब्दुल बसिथ, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमेयर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेड मैककॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम ज़म्पा। मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

अब फिरेंगे अर्जुन तेंदुलकर के दिन, कोच ने गेंदबाजी की जिम्मेदारी लेकर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। आईपीएल में इन दिनों मुंबई इंडियंस के ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर को लेकर काफी चर्चाएं हो रही है। एक तरफ जहां मुंबई इंडियंस की टीम का आईपीएल में अब तक का सफर काफी उतार चढ़ाव भरा रहा है। मुंबई इंडियंस की टीम ने जहां शुरुआती दो मकाबले हारने के बाद जबरदस्त वापसी की। इसके बाद तीन मुकाबलों में टीम को लगातार जीत मिली है। मुंबई की टीम में इन दिनों सबसे अधिक चर्चा अर्जुन तेंदुलकर की हो रही है।

मुंबई इंडियंस के साथ इस सीजन में पदार्पण करने वाले अर्जुन तेंदुलकर को लेकर लगातार कई बातें कही जा रही है। इस सीजन में कुल चार मुकाबले खेलने वाले अर्जुन तेंदुलकर सबसे अधिक चर्चा में इसलिए आए हैं क्योंकि पंजाब किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में उन्होंने 31 रन लुटाए थे, जिसके बाद उन्हें काफी ट्रोल किया गया है। हालांकि अब तक चार मुकाबलों में अर्जुन तीन विकेट भी चटका चुके है। वहीं गुजरात के खिलाफ दो ओवर में सिर्फ नौ रन लुटाए थे।

पंजाब किंग्स के खिलाफ फेंके गए ओवर के अलावा अगर अर्जुन की चर्चा है तो वो उनकी स्पीड को लेकर भी हो रही है। इसी बीच मुंबई इंडियंस के गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने भी अर्जुन की स्पीड को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि अर्जुन तेंदुलकर की गेंदों की गति बढ़ाने पर काम करेंगे जो अभी लगभग 130 किमी प्रति घंटे

की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं।

वहीं पंजाब किंग्स के खिलाफ अर्जुन तेंदुलकर ने 48 रन लुटाए थे जिसमें उनके एक ओवर में 31 रन बने थे। वहीं अर्जुन की गेंदबाजी को लेकर बॉन्ड ने मुंबई की 55 रन से हार के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा," पिछले मैच में जो कुछ हुआ उसके बाद उसने आज अच्छी गेंदबाजी की। इतने अधिक दर्शकों के सामने खेलना आसान नहीं होता है। हम उसकी रफ्तार बढ़ाने पर काम करेंगे लेकिन आज हमने उससे जैसा कहा था उसने वैसा ही किया।"

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन ने लंबे इंतजार के बाद 16 अप्रैल को उसी वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल में पदार्पण किया जिसमें उनके पिता सचिन तेंदुलकर ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्होंने तब दो ओवरों में 17 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। इसके बाद पंजाब किंग्स वाले मैच को छोड़कर उन्होंने प्रत्येक मैच में अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। बॉन्ड ने कहा," यह कई चीजों का संयोजन होता है। हम वैसा नहीं कर पा रहे हैं जैसा हमें करना चाहिए। हमारी रणनीति बेहद सरल है। हम गौर करते हैं किसी क्षेत्र में गेंदबाजी करने के क्या परिणाम निकलते हैं।

सम्पादकीय

क्या एकजुट होगा विपक्ष

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दिल्ली यात्रा के साथ ही एक बार फिर उम्मीद जताई जाने लगी है कि अब विपक्षी एकता के प्रयासों में ठोस प्रगति देखी जा सकेगी। इससे पहले कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने मंगलवार को एक अंग्रेजी अखबार में प्रकाशित अपने लेख में इस बात को फिर रेखांकित किया कि कांग्रेस समान विचारों वाले दलों के साथ मिलकर चलने को प्रतिबद्ध है। ध्यान रहे, नीतीश कुमार कई महीनों से विपक्षी एकता सुनिश्चित करने के प्रयासों में लगे थे, लेकिन कुछ बाधाओं के चलते उनके प्रयास कारगर ढंग से आगे नहीं बढ़ पाए। इसकी एक बड़ी वजह यह थी कि के चंद्रशेखर राव के ँए, ममता बनर्जी के तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की दिलचस्पी कांग्रेस को विपक्षी पार्टियों के मोर्चे से बाहर रखने में दिख रही थी। वहीं, नीतीश कुमार का मानना था कि कांग्रेस को शामिल किए बगैर विपक्षी एकता का कोई मतलब नहीं बनता। वहीं, नीतीश कुमार की उदासीनता की बड़ी वजह यह थी कि खुद कांग्रेस नेता भी उनके प्रयासों को वैसी तवज्जो नहीं दे रहे थे, जैसी उन्हें अपेक्षा थी। इस बीच, राहुल गांधी की सांसदी छिनने के मुद्दे पर अधिकतर विपक्षी दल साथ आए, लेकिन इसके कुछ ही समय बाद ऋइ प्रमुख शरद पवार के एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू ने उनकी एकता पर सवालिया निशान लगा दिया। उस इंटरव्यू में पवार ने अडाणी मामले पर व्झ्ण जांच की विपक्ष की मांग से खुद को अलग करते हुए कहा कि चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में विशेषज्ञों की एक जांच समिति गठित कर दी है, इसलिए अब व्झ्ण जांच की मांग का कोई मतलब नहीं है। खैर, इसे दूसरे विपक्षी दलों ने तूल नहीं दिया और संयत रुख दिखाया। परदे के पीछे चली गतिविधियों का ही परिणाम कहिए कि विपक्षी दलों की आपसी समझ फिर से दिखने लगी। न केवल तृणमूल और ंइ जैसी पार्टियां कांग्रेस के करीब नजर आईं बल्कि इन सबसे खुद को अलग करते पटना में बैठे नीतीश कुमार भी दोबारा सक्रिय हुए। मंगलवार को दिल्ली आकर पहले वह ंद्ध नेता लालू प्रसाद से मिले और बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से बात की। इस बीच, शरद पवार का यह महत्वपूर्ण बयान भी आ गया कि व्झ्ण जांच की मांग से असहमत होते हुए भी बाकी दलों के रुख के मद्देनजर ऋइ इसका विरोध नहीं करेगी। ये सब इस बात के संकेत हैं कि अगर कोई नई बाधा नहीं आई तो विपक्षी दलों के बीच एकजुटता को लेकर मोटी सहमति बन जाएगी और ज्यादा बारीक पहलुओं पर बातचीत आगे चलती रहेगी। मगर भूलना नहीं चाहिए कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव और इसके बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें से तीन राज्यों में अभी कांग्रेस की सरकार है। कर्नाटक के साथ अगर इन राज्यों में पार्टी का प्रदर्शन बढ़िया रहता है तो विपक्षी दलों की एकता में उसकी बड़ी भूमिका सुनिश्चित हो सकती है।

मानव जीवन को बचाने के लिये पृथ्वी संरक्षण जरूरी

ललित गर्ग

पृथ्वी सभी ग्रहों में से अकेला ऐसा ग्रह है जिसपर अभी तक जीवन संभव हैं। मनुष्य होने के नाते, हमें प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग को कम करने वाली गतिविधियों में सख्ती से शामिल होना चाहिए और पृथ्वी को बचाना चाहिए क्योंकि यदि पृथ्वी रहने के लायक नहीं रही तो मनुष्य का विनाश निश्चित है। प्रदूषण और स्मॉग जैसी समस्याओं से निपटने के लिए पृथ्वी दिवस विश्व भर में मनाया जाता है। वहीं, लोगों को संदेश देने के लिए सरकार द्वारा कुछ बेसिक थीम भी तय किए जाते हैं। हर साल प्रकृति एवं पर्यावरण चुनौतियों को ध्यान में रख कर पृथ्वी दिवस के लिए एक खास थीम रखी जाती है और उस थीम के अनुसार टारगेट अचीव करने का प्रयास किया जाता है। इस बार विश्व पृथ्वी दिवस की थीम 'इन्वेस्ट इन अवर प्लैनेट' है। पृथ्वी दिवस या अर्थ डे जैसे शब्द को दुनिया के सामने लाने वाले सबसे पहले व्यक्ति थे- जूलियन कोनिग। दरअसल, उनका जन्मदिन 22 अप्रैल को होता था। इसी वजह से पर्यावरण संरक्षण से जुड़े आंदोलन की शुरुआत भी उन्होंने इसी दिन की और इसे अर्थ डे का नाम दे दिया।

इस वर्ष पृथ्वी दिवस हमें हरित समृद्धि से समृद्ध जीवन बनाने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह थीम संदेश देती है कि हमारे स्वास्थ्य, हमारे परिवारों, हमारी आजीविका और हमारी धरती को एक साथ संरक्षित करने का समय आ गया है। पृथ्वी दिवस आधुनिक पर्यावरण आंदोलन की वर्षगांठ का प्रतीक है, जो पहली बार सन् 1970 में मनाया गया था। इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं पृथ्वी के संरक्षण के लिये जागरूक करना है। दुनिया में पृथ्वी के विनाश, प्रकृति प्रदूषण एवं जैविक संकट को लेकर काफी चर्चा हो रही है। पौधे जीवन की सबसे बुनियादी जरूरत है चाहे इंसान हो, जानवर हो या अन्य जीवित चीजें। वे हमें भोजन, ऑक्सीजन, आश्रय, ईंधन, दवाएं, सुरक्षा और फर्नीचर देते हैं। वे पर्यावरण, जलवायु, मौसम और वातावरण के बीच प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए बहुत आवश्यक हैं। हमें वनों की कटाई को रोककर और वनीकरण को बढ़ावा देकर वन्यजीवों की देखभाल करनी चाहिए।

आज विश्व भर में हर जगह प्रकृति का दोहन एवं शोषण जारी है। जिसके कारण पृथ्वी पर अक्सर उत्तरी ध्रूव की ठोस बर्फ का कई किलोमीटर तक पिघलना, सूर्य की पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी तक आने से रोकने वाली ओजोन परत में छेद होना, भयंकर तूफान, सुनामी और भी कई प्राकृतिक आपदाओं का होना आदि ज्वलंत समस्याएं विकराल होती जा रही है, जिसके लिए मनुष्य ही जिम्मेदार हैं। ग्लोबल वार्मिंग के रूप में जो आज हमारे सामने हैं। ये आपदाएँ पृथ्वी पर ऐसे ही होती रहीं तो वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी से जीव-जन्तु व वनस्पति का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। जीव-जन्तु अंधे हो जाएंगे। लोगों की त्वचा झुलसने लगेगी और कैंसर रोगियों की संख्या बढ़ जाएगी। समुद्र का जलस्तर बढ़ने से तटवर्ती इलाके चपेट में आ जाएंगे। कोरोना महामारी जैसी व्याधियां रह-रहकर जीवन संकट का कारण बनती रहेगी।

जल, जंगल और जमीन इन तीन तत्वों से पृथ्वी और प्रकृति का निर्माण होता है। यदि यह तत्व न हों तो पृथ्वी और प्रकृति इन तीन तत्वों के बिना अधूरी है। विश्व में ज्यादातर समृद्ध देश वही माने जाते हैं जहां इन तीनों तत्वों का बाहुल्य है। बात अगर इन मूलभूत तत्व या संसाधनों की उपलब्धता तक सीमित नहीं है। आधुनिकीकरण के इस दौर में जब इन संसाधनों का अंधाधुन्ध दोहन हो रहा है तो ये तत्व भी खतरे में पड़ गए हैं। अनेक शहर पानी की कमी से परेशान हैं। आप ही बताइये कि कहां खो गया वह आदमी जो स्वयं को कटवाकर भी वृक्षों को कटने से रोकता था? गोचरभूमि का एक टुकड़ा भी किसी को हथियाने नहीं देता था। जिसके लिये जल की एक बूंद भी जीवन जितनी कीमती थी। कत्लखानों में कटती गायों की निरीह आहें जिसे बेचैन कर देती थी। जो वन्य पशु-पक्षियों को खदेड़कर अपनी बस्तियों बनाने का बौना स्वार्थ नहीं पालता था। अब वही मनुष्य अपने स्वार्थ एवं सुविधावाद के लिये सही तरीके से प्रकृति का संरक्षण न कर पा रहा है और उसके कारण बार-बार प्राकृतिक आपदाएं कहर बरपा रही है। रेगिस्तान में बाढ़ की बात अजीब है, लेकिन हमने राजस्थान में अनेक शहरों में बाढ़ की विकराल स्थिति को देखा हैं। जब मनुष्य पृथ्वी का संरक्षण नहीं कर पा रहा तो पृथ्वी भी अपना गुस्सा कई प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखा रही है। वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा।

आज चिन्तन का विषय न तो युद्ध है और न मानव अधिकार, न कोई विश्व की राजनैतिक घटना और न ही किसी देश की रक्षा का मामला है। चिन्तन एवं चिन्ता का एक ही मामला है लगातार विकराल एवं भीषण आकार ले रही गर्मी, सिकुड़ रहे जलस्रोत विनाश की ओर धकेली जा रही पृथ्वी एवं प्रकृति के विनाश के प्रयास। बढ़ती जनसंख्या, बढ़ता प्रदूषण, नष्ट होता पर्यावरण, दूषित गैसों से छिद्रित होती ओजोन की ढाल, प्रकृति एवं पर्यावरण का अत्यधिक दोहन- ये सब पृथ्वी एवं पृथ्वीवासियों के लिए सबसे बडे खतरे हैं और इन खतरों का अहसास करना ही विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस का ध्येय है। प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। साथ ही साथ हमारा सुविधावादी नजरिया एवं जीवनशैली पर्यावरण एवं प्रकृति के लिये एक गंभीर खतरा बन कर प्रस्तुत हो रहा हैं।

आज जलवायु परिवर्तन पृथ्वी के लिए सबसे बड़ा संकट बन गया है। अगर पृथ्वी के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिन्ह लग जाए तो मानव जीवन कैसे सुरक्षित एवं संरक्षित रहेगा? पृथ्वी है तो सारे तत्व हैं, इसलिये पृथ्वी अनमोल तत्व है। इसी पर आकाश है, जल, अग्नि, और हवा है। इन सबके मेल से प्रकृति की संरचना सुन्दर एवं जीवनमय होती है। अपने-अपने स्वार्थ के लिए पृथ्वी पर अत्याचार रोकना होगा और कार्बन उत्सर्जन में कटौती पर ध्यान केंद्रित करना होगा। अतिशयोक्तिपूर्ण ढंग से औद्योगिक क्रांति पर नियंत्रण करना होगा, क्योंकि उन्हीं के कारण कार्बन उत्सर्जन और दूसरी तरह के प्रदूषण में बढ़ोतरी हुई है। यह देखा गया है कि मनुष्य अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रकृति का दोहन करता चला आ रहा है। अगर प्रकृति के साथ इस प्रकार से खिलवाड़ होती रही तो वह दिन दूर नहीं होगा, जब हमें शुद्ध पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ भूमि, शुद्ध वातावरण एवं शुद्ध वनस्पतियाँ नहीं मिल सकेंगी। इन सबके बिना हमारा जीवन जीना मुश्किल हो जायेगा। आज आवश्यकता है कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की ओर विशेष दिया जाए, जिसमें मुख्यतः धूप, खनिज, वनस्पति, हवा, पानी, वातावरण, भूमि तथा जानवर आदि शामिल हैं। इन संसाधनों का अंधाधुंध दुरुपयोग किया जा रहा है, जिसके कारण ये संसाधन धीरे-धीरे समाप्त होने की कगार पर हैं। प्रकृति के संरक्षण को सभी देशों की सरकारों एवं विभिन्न गैर-राजनैतिक संगठनों ने बड़ी गम्भीरता से लिया है और इस पर कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है। ऐसे भी अनेक तरीके हैं जिनमें आम आदमी भी इनके संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा सकता है।

अरुणाचल प्रदेश और असम के बीच हुए सीमा समझौता के सियासी मायने को ऐसे समझिए

कमलेश पांडे

पूर्वोत्तर के दो प्रमुख राज्यों, अरुणाचल प्रदेश और असम के बीच गुरुवार को हुए सीमा समझौता के अहम सियासी मायने हैं, जो न केवल पूर्वोत्तर के पांच अन्य राज्यों बल्कि पूरे मुल्क की सियासत को गहरे तक प्रभावित करेंगे। जिस तरह से सियासत के चाणक्य अमित शाह ने दशकों से चले आ रहे इस विवाद को शांतिपूर्वक सुलझाया है, उससे उनका राजनैतिक कद थोड़ा और ऊंचा उठा है। ऐसा इसलिए कि अपने गृह मंत्रित्व काल में उन्होंने जिस संजीदगी के साथ जम्मू-कश्मीर से लेकर पूर्वोत्तर के सात बहन राज्यों के लिए नासूर समझी जाने वाली विभिन्न समस्याओं के सकारात्मक हल यानी निदान निकाले हैं, उसका सकारात्मक असर भारतीय राजनीति में महसूस किया जा रहा है। इससे देश की छवि भी बदली है और समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृढ़ नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के सशक्त मार्गदर्शन में पिछले 9 वर्षों में पूर्वोत्तर की लगभग सभी समस्याओं का समाधान निकाल कर समग्र शांति और अतुलनीय विकास के एक नए युग का सूत्रपात किया गया है। इसी की एक मजबूत कड़ी के तौर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में गुरुवार 20 अप्रैल 2023 को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को खत्म करते हुए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय गृह सचिव और केंद्र व दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी ने इस अवसर को यादगार बना दिया।

गौरतलब है कि आजादी के बाद 1972 से लेकर आज तक जिस 800 किमी लंबी असम-अरुणाचल सीमा विवाद को किसी भी सरकार ने सुलझाने की कोशिश नहीं की। दोनों राज्यों के बीच 123 गांवों को लेकर विवाद था, जिसपर अरुणाचल प्रदेश ने दावा किया था। हालांकि, अभी जिन 71 गांवों की स्थिति को लेकर जो स्पष्ट सहमति बनी है, इसमें से 10 गांव असम में ही बने रहेंगे। वहीं 60 गांव असम से लेकर अरुणाचल में शामिल किए जाएंगे। वहीं, 1 गांव अरुणाचल प्रदेश से लेकर असम में शामिल किया जाएगा। कहने का तातपर्य यह कि 60 गांव अरुणाचल प्रदेश को मिले, जबकि 11 गांव असम को। शेष बचे 52 गांवों में से 49 गांव की सीमाएं अगले छह महीनों में क्षेत्रीय समितियों द्वारा तय की जाएंगी। इसके अतिरिक्त, अब दोनों पक्ष कोई नया दावा नहीं करेंगे। इसप्रकार उस ऐतिहासिक विवाद को निपटाकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर से यह साबित किया है कि वो वास्तव में भारतीय राजनीति के चाणक्य हैं और शह-मात के खेल में वो जो नायाब संतुलन साधते हैं, उसका कोई दूसरा सानी नहीं।

बता दें कि 50 से अधिक बार पूर्वोत्तर के सात बहन राज्यों का दौरा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित पूर्वोत्तर, शांत पूर्वोत्तर और विवाद मुक्त पूर्वोत्तर के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में निरंतर जुटे उनके हनुमान यानी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में 2019 में एनएलएफटी समझौता, 2020 में ब्रू समझौता, 2021 में बोडो समझौता, 2022 में कार्बी समझौता, आदिवासी शांति समझौता, असम-मेघालय के 67 प्रतिशत अंतरराज्यीय सीमा विवाद का समझौता और 20 अप्रैल 2023 को 800 किमी लंबे असम-अरुणाचल सीमा के निपटारे से पूरे पूर्वोत्तर का कायाकल्प हो रहा है। यह हर भारतवासी के लिए गर्व और गौरव दोनों के विषय हैं।

आँकड़ों के मुताबिक संकल्प से सिद्धि के 9 सालों में ही पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की नीतियों के कारण पूर्वोत्तर राज्यों में 8000 से ज्यादा उग्रवादी युवा अपने हथियार छोड़कर देश/प्रदेश की मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। खास बात यह कि पूरे पूर्वोत्तर में हिंसा में लगभग 67 फीसदी की कमी आई है। वहीं, सुरक्षा बलों के मृत्यु में 60 फीसदी की कमी और नागरिकों की मृत्यु में 83 प्रतिशत की कमी आई है। जहाँ असम के 70 प्रतिशत क्षेत्र, मणिपुर के 6 जिले के 15 पुलिस स्टेशन और नागालैंड के सात जिलों को अफ्सपा से मुक्त कर दिया गया है, वहीं त्रिपुरा और मेघालय को पूरी तरह से अफ्सपा से मुक्त कर दिया गया है, जो यह साबित करता है कि देश अमृतकाल में प्रवेश कर चुका है और आने वाला कल सुख-शांति-समृद्धि प्रदायक साबित होगा।

देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के निर्माण में जुटे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अथक प्रयासों और कुशल रणनीतियों का ही यह तकाजा है कि समग्र पूर्वोत्तर में आधारभूत संरचना विकास (इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट) और औद्योगिक निवेश सहित सीमा से सटे गाँवों का चौतरफा विकास वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत हो रहा है। राजनीतिक विश्लेषक ठीक ही बताते हैं कि आजादी के बाद ही जिस समस्या का समाधान हो जाना चाहिए था, उसका समाधान आज 75 साल के बाद एक सख्त गृह मंत्री समझे जाने वाले अमित शाह के दिशा-निर्देश में गृह मंत्रालय कर रहा है। शायद इसलिए कहा जाता है कि सियासत में जो यश आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को प्राप्त हो रहा है, वह देश के पहले उपप्रधानमंत्री व गृहमंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल के अलावा शायद ही किसी को मिला हो। इस बात को समझने और समझाने की जरूरत है, ताकि सदियों बाद देश को मिले मजबूत व निर्णायक नेतृत्वकर्ताओं के बारे में आमलोगों के बीच जो गलतफहमियां परोसी जा रही हैं, उससे निजात मिल सके और नेतृत्व यथावत गतिमान रहे, ताकि यह राष्ट्र निरन्तर मजबूत होता रहे।

पाक एफएम बिलावल भुट्टो की भारत यात्रा से संबंध सुधरेंगे या दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ेगा?

नीरज कुमार दुबे

भारत-पाकिस्तान के संबंधों में तनाव के बीच एक ऐसी खबर आई है जिससे तमाम लोगों को लगने लगा है कि शायद तनाव अब कुछ कम हो सकेगा। दरअसल, पाकिस्तान ने घोषणा की है कि विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी अगले महीने भारत में होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में हिस्सा लेंगे। पहले माना जा रहा था कि एससीओ बैठक से पाकिस्तान दूर रह सकता है या ऑनलाइन माध्यम से बैठक में जुड़ सकता है लेकिन अब पाकिस्तान विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जेहरा बलूच ने अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में ऐलान कर दिया हे कि बिलावल भुट्टो जरदारी भारत के गोवा में 4-5 मई, 2023 को होने वाली एससीओ विदेश मंत्री परिषद की बैठक में पाकिस्तान के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इसके साथ ही हफ्तों से चली आ रही इन अटकलों पर विराम लग गया कि बिलावल भुट्टो व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में हिस्सा लेंगे या नहीं। मुमताज जेहरा बलूच ने बिलावल के भारत दौरे की पुष्टि के साथ ही यह भी कहा है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर के निमंत्रण पर सम्मेलन में शामिल होंगे। बलूच ने कहा, 'बैठक में हमारी भागीदारी एससीओ चार्टर और प्रक्रियाओं के प्रति पाकिस्तान की प्रतिबद्धता और पाकिस्तान की विदेश नीति की प्राथमिकताओं में क्षेत्र को दिए जाने वाले महत्व को दर्शाती है।'

हम आपको बता दें कि यह हाल के वर्षों में किसी भी पाकिस्तानी नेता का भारत का पहला उच्चस्तरीय दौरा होगा। दरअसल, फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट कर दिया था, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। इसके अलावा, अगस्त 2019 में भारत ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा वापस लेकर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था, जिसके बाद दोनों देशों के संबंधों में और कड़वाहट पैदा हो गई। भारत कहता रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसी की तरह संबंध रखना चाहता है। हालांकि दूसरी ओर वह इस बात पर जोर देता है कि ऐसे संबंध कायम करने के लिए आतंकवाद और तनावमुक्त माहौल बनाना पाकिस्तान की जिम्मेदारी है।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि पाकिस्तान की तत्कालीन विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने 2011 में भारत का दौरा किया था। इसके अलावा, मई 2014 में, पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत आए थे। इसके बाद, दिसंबर 2015 में, तत्कालीन भारतीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने पाकिस्तान का दौरा किया था और कुछ दिन बाद प्रधानमंत्री मोदी अफगानिस्तान से लौटते समय थोड़ी देर के लिए पाकिस्तान में रुके थे। जहां तक एससीओ की बात है तो आपको बता दें कि इसकी स्थापना 2001 में शंघाई में हुए रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपतियों के शिखर सम्मेलन में की गई थी। बाद के वर्षों में यह सबसे बड़े क्षेत्रीय संगठनों में से एक बनकर उभरा। भारत और पाकिस्तान 2017 में चीन में स्थित एससीओ के स्थायी सदस्य बने थे। इस बीच, माना जा रहा है कि बिलावल की भारत यात्रा से दोनों देशों के संबंधों में आई कड़वाहट के कम होने की उम्मीद है। लेकिन हालात देखकर ऐसा लगता नहीं है क्योंकि मूल प्रश्न अब भी वही है कि वार्ता और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। इसके अलावा, एससीओ बैठक के दौरान एक तो दोनों देशों के बीच कोई द्विपक्षीय मुलाकात नहीं होगी। दूसरा, बिलावल पाकिस्तान की घरेलू राजनीति में अपना कद बढ़ाने के चक्कर में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर मुद्दे पर बेवजह की बयानबाजी करते रहते हैं। कई बार तो हाथ के हाथ भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से उन्हें तगड़ा जवाब भी मिला है। इसके अलावा जिस दिन बिलावल भुट्टो के भारत आने की घोषणा की जा रही थी उसी दिन जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारतीय सेना के काफिले पर आतंकी हमला हो गया जिसमें हमारे पांच जवान शहीद हो गये। माना जा रहा है कि बिलावल भारत यात्रा के दौरान कोई ऐसा काम नहीं करेंगे जिससे उनकी छवि भारत समर्थक की बने क्योंकि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जब भारत की विदेश नीति की तारीफ करते हैं तो बिलावल उन पर हमला बोलते हैं। इसके अलावा, बिलावल आजकल अपने ही प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार को भी हिलाने में लगे हुए हैं। उनकी नजर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद पर है इसलिए भारत यात्रा के दौरान उनका ध्यान सिर्फ एससीओ से संबंधित मुद्दों पर ही रहने के आसार हैं।

इसके अलावा, बिलावल की यह यात्रा पाकिस्तान के पहले के विदेश मंत्रियों की यात्रा से अलग होने जा रही है क्योंकि पहले जब पाकिस्तानी प्रधानमंत्री या विदेश मंत्री या अन्य नेता भारत यात्रा पर आते थे तो कश्मीर के अलगाववादियों को डिनर पर बुलाते थे लेकिन अब ऐसे किसी आयोजन की संभावना नहीं है। इसके अलावा अलगाववादियों के मन में भी इतना डर बैठ गया है कि वह खुद ही पाकिस्तानी चाय नाश्ते से दूर रहने में ही अपनी भलाई समझेंगे। जहां तक एससीओ बैठक में बिलावल भुट्टो के शामिल होने की खबर पर भारत की प्रतिक्रिया की बात है तो आपको बता दें कि हमारे विदेश मंत्रालय ने कहा है कि एससीओ बैठक में हिस्सा लेने के लिए सभी सदस्य देशों को न्यौता भेजा गया है इसलिए किसी एक देश की भागीदारी पर ध्यान देना उतना उचित नहीं होगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने पाकिस्तान का नाम लिये बिना कहा, ''हम इस बैठक के काफी सफल होने की अपेक्षा करते हैं। लेकिन किसी एक देश की भागीदारी पर ध्यान देना उतना उचित नहीं होगा।'' एससीओ बैठक से इतर विदेश मंत्री एस जयशंकर की द्विपक्षीय बैठकों के बारे में एक सवाल के जवाब में भी प्रवक्ता ने कहा है कि इस बारे में कुछ कहना अभी समय से पूर्व की बात होगी। बहरहाल, देखना होगा कि बिलावल की भारत यात्रा से दोनों देशों के संबंधों में कोई सुधार आता है या तनाव और बढ़ जाता है। यह प्रश्न इसलिए उठ रहा है क्योंकि अक्सर देखने में आया है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद के जब भी प्रयास हुए हैं तब तब पाकिस्तानी आतंकवादियों ने कश्मीर में हमले बढ़ाये हैं। अभी एक दिन पहले जम्मू-कश्मीर के पुंछ में जो हमला हुआ उसके बाद से ही यह मांग की जा रही है कि भारत को पाकिस्तानी विदेश मंत्री का स्वागत नहीं करना चाहिए। गोवा की बैठक से पहले यदि पाकिस्तानी आतंकियों ने कोई और साजिश रची तो यकीनन दोनों देशों के संबंधों में नया तनाव पैदा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

16वीं मंजिल से गिरकर इलेक्ट्रीशियन की मौत

नोएडा। जिले में एक निर्माणाधीन सोसाइटी की 16वीं मंजिल से गिर कर एक इलेक्ट्रिशियन की मौत हो गई। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बुधवार को बताया कि विनोद कुमार राय (पुत्र मदन राय) नोएडा के सेक्टर 115 में स्थित एक सोसाइटी में रहते थे। पेशे से इलेक्ट्रीशियन राय सोसायटी की 16 वी मंजिल से नीचे गिर गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है।

बिना जांच पूरी किए चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकती एजेंसियां, सुप्रीम कोर्ट ने धारा 167 को लेकर सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक फैसले में कहा है कि कोई भी एजेंसी किसी भी मामले में जांच पूरी किए बिना चार्जशीट दाखिल नहीं कर सकती है। याचिका पर विचार करते हुए यह आदेश दिया। जस्टिस कृष्ण मुरारी और जस्टिस सीटी रविकुमार की खंडपीठ ने याचिका पर विचार करते हुए रितु की अंतरिम जमानत के आदेश को निरंकुश करार दिया। कोर्ट ने कहा है कि जांच एजेंसी द्वारा किसी मामले की जांच पूरी किए बिना चार्जशीट या अभियोजन शिकायत दर्ज नहीं की जा सकती है। सीआरपीसी की धारा 167 डिफॉल्ट जमानत के मुद्दे से संबंधित है। सीआरपीसी की धारा 167 के अनुसार जब चौबीस घंटे के अंदर अन्वेषण पूरा न किया जा सके तब प्रक्रिया- तो वह, निकटतम न्यायिक मजिस्ट्रेट को इसमें इसके पश्चात् विहित डायरी की मामले में संबंधित प्रविष्टियों की एक प्रतिलिपि भेजेगा और साथ ही अभियुक्त व्यक्ति को भी उस मजिस्ट्रेट के पास भेजेगा।

हर सवाल के जवाब में बीजेपी कहती है तमंचा,अखिलेश ने इस अंदाज में बीजेपी पर कसा तंज

लखनऊ। सड़कों से कूड़ा और सांड न हटा पाने वाली भारतीय जनता पार्टी निकाय चुनाव में क्या हुंकार भरेगी। हर सवाल के जवाब में बीजेपी कहती है तमंचा। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव गाजियाबाद में पत्रकारों से बात करते हुए योगी सरकार के प्रति हमलावर नजर आए। उन्होंने कहा कि महंगाई पर सवाल करो, बेरोजगारी पर सवाल करो या किसी अन्य मुद्दे पर सवाल करो। सबके जवाब में वो सिर्फ तमंचा कहकर मुद्दे को भटकाने का काम करते हैं। जनता अब परिवर्तन चाहची है, परिवर्तन होगा।

'भारत की हेल्थकेयर प्रतिभा ने जीता दुनिया का भरोसा', पीएम मोदी बोले-हमारा लक्ष्य सभी का अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण है

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'वन अर्थ वन हेल्थ- एडवांटेज हेल्थकेयर इंडिया 2023 समिट' को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि स्वास्थ्य के प्रति भारत की दृष्टि केवल बीमारी की कमी पर ही नहीं रुकती। उन्होंने कहा कि रोगों से मुक्त होना कल्याण के मार्ग का एक पड़ाव मात्र है। भारत ने उ-20 की प्रेसीडेंसी 'वन अर्थ वन हेल्थ वन फ्यूचर' की थीम के साथ शुरू की। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के सैकड़ों देश इस पहल में हमारे साथ आगे बढ़ रहे हैं, और पेशेवर और अकादमिक डोमेन से सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के हितधारकों का होना बहुत अच्छा है। यह भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के दर्शन का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य सभी का अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण है। हमारा लक्ष्य सभी का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण है।

मोदी ने कहा कि वैक्सीन और दवाओं के माध्यम से जीवन बचाने के महान मिशन में भारत को कई देशों का भागीदार होने पर गर्व है। उन्होंने कहा कि भारत ने कोविड महामारी के दौरान 30

करोड़ से ज्यादा वैक्सीन डोज 100 से ज्यादा देशों में मदद के लिए पहुंचाई हैं। यहा हमारी क्षमता और प्रतिबद्धता को दिखाता है। उन्होंने कहा कि जब समग्र स्वास्थ्य सेवा की बात आती है, तो भारत के पास कई महत्वपूर्ण ताकतें हैं। हमारे पास टैलेंट है, हमारे पास टेक्नोलॉजी है, हमारे पास परंपराएं हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और बाहर दोनों जगह, हमारे डॉक्टरों को उनकी क्षमता और प्रतिबद्धता के लिए व्यापक रूप से सम्मान दिया जाता है। दुनिया भर में कई हेल्थकेयर सिस्टम हैं जो भारतीय पेशेवरों की प्रतिभा से लाभान्वित होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत में संस्कृति, जलवायु और सामाजिक गतिशीलता में जबरदस्त विविधता है। भारत की हेल्थकेयर प्रतिभा ने जीता दुनिया का भरोसा!

दंतेवाड़ा में नक्सलियों ने किया विस्फोट, 10 जवान शहीद, जांच जारी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा से बड़ी खबर आ रही है। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में नक्सलियों द्वारा किए गए विस्फोट में 10 पुलिसकर्मी शहीद हो गए हैं। इसके साथ ही इसमें एक चालक की भी मौत हो गई है। इस मामले पर गृह मंत्रालय सक्रिय हो गया है। फिलहाल इस मामले में जांच शुरू की जा चुकी है। सूत्रों ने बताया कि अरनपुर में नक्सलियों द्वारा विस्फोट किए जाने की आशंका है। आईजी बस्तर, पी सुंदरराज ने कहा कि हमले में 10 डीआरजी जवानों और एक नागरिक चालक की जान चली गई। उन सभी के शवों को मौके से निकाला जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारी वहां मौजूद हैं। तलाशी अभियान जारी है। सूत्रों ने कहा कि पुलिसकर्मी एक माओवादी विरोधी अभियान से लौट रहे थे, जिसे खुफिया सूचनाओं के बाद शुरू किया गया था। यह छि- हमला हुआ है। छि- को नक्सलियों ने प्लांट किया था। घटना पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि इस प्रकार की जानकारी है और यह दुखद है। जो जवान शहीद हुए हैं उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। यह लड़ाई अंतिम दौर में चल रही है और नक्सलियों को किसी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा।

दुश्मन के इलाके तक ले जाएंगे लड़ाई...पाकिस्तानी फौज की भारत को गीदड़भभकी

इस्लामाबाद। पूर्व आर्मी चीफ के हवाले से यह कहा कि इस्लामाबाद के पास भारत के खिलाफ लड़ने के लिए गोला-बारूद

और आर्थिक ताकत की कमी का खुलासा करने के बाद पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ अपनी चाल तेज कर दी। डीजी आईएसपीआर मेजर जनरल अहमद शरीफ ने पाक सेना की 'ऑपरेशनल तैयारियों' के दावों को नकारा है। मेजर जनरल शरीफ ने स्थिति उत्पन्न होने पर लड़ाई को भारत के क्षेत्र में ले जाने' की भी धमकी दी है।

जरनल अहमद शरीफ चौधरी ने भारत को धमकी देते हुए कहा कि अगर सीमा पर भारत दुस्साहस करने की कोशिश करता है तो उसे करारा जवाब दिया जाएगा। बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा ने पत्रकारों को बुलाई बैठक में कहा था कि पाकिस्तान की आर्मी के पास हथियार नहीं हैं, टैंक खराब पड़े हैं। लिहाजा वो भारत से लड़ने के काबिल नहीं हैं।

उन्होंने दावा किया कि ऑपरेशन स्विफ्ट रिटॉर्ट के दौरान पाकिस्तान की वायु सेना ने राष्ट्र की लचीलापन और वायु सेना के संकल्प को दिखाया। 14 फरवरी, 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में सुरक्षा वाहनों के काफिले पर हुए आतंकवादी हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 40 जवान शहीद हो गए थे। हालांकि, डीजी आईएसपीआर मेजर जनरल अहमद शरीफ ने कहा, 'पुलवामा हमले के झूठे बहाने, भारत मंच ने एक काल्पनिक लक्ष्य पर कायरतापूर्ण हमला किया।

धामी सरकार में कैबिनेट मंत्री चंदन राम दास का निधन, लंबे समय से थे बीमार

नई दिल्ली। उत्तराखंड के परिवहन मंत्री चंदन राम दास का बागेश्वर के जिला अस्पताल में निधन हो गया है। पिछले दिनों तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वह बागेश्वर से विधायक थे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शोक जताया है। इसको लेकर उन्होंने एक ट्वीट भी किया है। अपने ट्वीट में पुष्कर सिंह धामी ने लिखा कि मंत्रिमंडल में मेरे वरिष्ठ सहयोगी श्री चंदन राम दास जी के आकस्मिक निधन के समाचार से स्तब्ध हूं। उनका निधन जनसेवा एवं राजनीति के क्षेत्र में अपूरणीय क्षति है। ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं परिजनों व समर्थकों को यह असीम कष्ट सहन करने की शक्ति प्रदान करें। चंदन राम दास बागेश्वर विधानसभा से लगातार 4 बार के विधायक रहे हैं। बागेश्वर की जिलाधिकारी ने कैबिनेट मंत्री की मृत्यु की पुष्टि भी की है। चंदन राम दास बागेश्वर विधानसभा से लगातार 4 बार के विधायक रहे हैं।

भारतीय मूल के मादक पदार्थ तस्कर को फांसी भांग की तस्करी के आरोप में मिली सजा

सिंगापुर। भारतीय मूल के एक मादक पदार्थ तस्कर को बुधवार को फांसी दे दी गई। अदालत ने सजा माफ करने के लिए दोषी तस्कर की ओर से आखिरी समय में दाखिल अर्जी मंगलवार को खारिज कर दी थी। थंगाराजू सुपैय्या (46) को उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने अक्टूबर 2018 में मादक पदार्थ की तस्करी की साजिश रचने के लिए एक साथी को उकसाने के मामले में दोषी ठहराया गया था। यह साजिश उसे एक किलोग्राम भांग की आपूर्ति से जुड़ी थी, जो औषधीय पदार्थों का दुरुपयोग अधिनियम के तहत एक अपराध है। सुपैय्या को 2014 में मादक पदार्थ का सेवन करने और जांच के लिए न पहुंचने के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

सिंगापुर कारागार सेवा की ओर से जारी एक बयान के हवाले से बताया कि सुपैय्या को बुधवार सुबह चांगी कारागार परिसर में फांसी दी गई। चैनल पर प्रसारित खबर के मुताबिक, सिंगापुर की एक अदालत ने मंगलवार को सुपैय्या की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उसने अपने

मामले में पुनर्विचार करने और तब तक सजा के अमल पर रोक लगाने की मांग की थी। 15 पन्नों के अपने आदेश में न्यायमूर्ति चोंग ने कहा था कि सुपैय्या अदालत द्वारा अपने मामले की समीक्षा करने के लिए एक वैध आधार पेश करने में नाकाम रहा था। ब्रिटिश अरबपति रिचर्ड ब्रैंसन और मानवाधिकारों के लिए संयुक्त उच्चायुक्त ने सिंगापुर से सुपैय्या को फांसी देने के फैसले पर पुनर्विचार करने और उसके जीवन के अधिकार की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया था।

ब्रैंसन ने एक ब्लॉग पोस्ट में दावा किया था कि सुपैय्या की दोषसिद्ध मानकों के अनुरूप नहीं है और 'सिंगापुर एक बेगुनाह इंसान को मारने जा रहा है।' हालांकि, सिंगापुर के गृह मंत्रालय ने ब्रैंसन की टिप्पणी पर आपत्ति जताते हुए मंगलवार को कहा था कि मौत की सजा पाने वाले सिंगापुर के एक व्यक्ति के संबंध में ब्रैंसन की राय देश के न्यायाधीशों और आपराधिक न्याय प्रणाली का 'अपमान' है।

उत्तर प्रदेश में अब पस्त हुए अपराधियों के हौंसले, जान बचाने के लिए आत्मसमर्पण करने को हुए मजबूर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस राज्य से गैंगस्टरों का नामोनिशान मिटाने के उद्देश्य से ऑपरेशन लंगड़ा चला रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस के इस ऑपरेशन से स्थानीय गैंगस्टरों और गुंडों के मन में काफी भय देखने को मिल रहा है। पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई को देखकर बदमाशों के मन में भी अपनी जान का खौफ हो गया है। इसका ताजा उदाहरण संभल में देखने को मिला है। संभल में एनकाउंटर से बचने के लिए बदमाश ने खुद ही पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। संभल के एक आरोपी ने 25 अप्रैल को पुलिस के डर से आत्मसमर्पण कर दिया है। इस आरोपी पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज था। ये हाथ में खास तख्ती लेकर पुलिस स्टेशन पहुंचा जिस पर खास मैसेज भी लिखा था जिससे साफ है कि गैंगस्टरों में उत्तर प्रदेश पुलिस और उत्तर प्रदेश सरकार का डर बना हुआ है। बता दें कि ये मालमा हयातनगर थाना क्षेत्र का है जहां हैबतपुर गांव के जाबुल पुत्र रियासत हयात नगर थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत वांछित था। आरोपी के खिलाफ थाने में गोकशी से लेकर कई अन्य मामले दर्ज थे। आरोपी ने 25 अप्रैल को आत्मसमर्पण कर दिया है। आरोपी हाथों में एक तख्ती लेकर पहुंचा जिसपर लिखा था कि मुझे गोली मत मारना, मैं गैंगस्टर एक्ट का अपराधी हूं। मुझे गिरफ्तार कर लो। वहीं गैंगस्टर एक्ट में लंबे समय से आरोपी गिरफ्तार हो गया है। पुलिस ने आरोपी के आत्मसमर्पण करने के बाद उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश कर रिमांड हासिल कर ली है। हालांकि पुलिस आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार दबिश भी दे रही थी। इस मामले पर पुलिस अधीक्षक का कहना है कि जाबुल नाम के गैंगस्टर ने थाने आकर आत्मसमर्पण किया है।बता दें कि उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार अपराधियों के खिलाफ लगातार एनकाउंटर की कार्रवाई कर रही है, जिससे अपराधियों में खौफ बन रहा है। एनकाउंटर से बचने के लिए आरोपी खुद ही पुलिस की शरण में पहुंच रहे है।

अमित शाह ने भूपेश बघेल से की बात, हर संभव मदद का आश्वासन दिया

नई दिल्लीं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से दंतेवाड़ा में हुए नक्सली हमले को लेकर बात की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में बारूदी सुरंग में हुए विस्फोट में सुरक्षाबल के 10 जवान शहीद हो गए हैं तथा एक वाहन चालक की भी मृत्यु हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले के अरनपुर थाना क्षेत्र में नक्सलियों ने बारूदी सुरंग में विस्फोट कर दिया है।

इस घटना में जिला रिजर्व

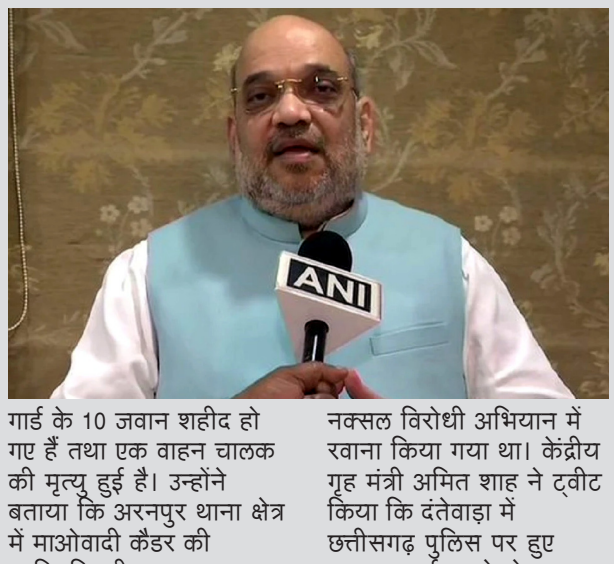

गार्ड के 10 जवान शहीद हो गए हैं तथा एक वाहन चालक की मृत्यु हुई है। उन्होंने बताया कि अरनपुर थाना क्षेत्र में माओवादी कैडर की उपस्थिति की सूचना पर दंतेवाड़ा से डीआरजी बल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया कि दंतेवाड़ा में छत्तीसगढ़ पुलिस पर हुए कायरतापूर्ण हमले से क्षुब्ध हूं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री से बात की है और राज्य सरकार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। शहीद जवानों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ट्वीट कर कहा कि दंतेवाड़ा के थाना अरनपुर क्षेत्र अंतर्गत माओवादी कैडर की उपस्थिति की सूचना पर नक्सल विरोधी अभियान के लिए पहुंचे डीआरजी बल पर आईईडी विस्फोट से हमारे 10 डीआरजी जवान एवं एक चालक के शहीद होने का समाचार बेहद दुखद है। हम सब प्रदेशवासी उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उनके परिवारों के साथ दुःख में हम सब साझेदार हैं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें।

कोविड और मंदी की मार झेलकर वापस पटरी पर लौटी वेडिंग इंडस्ट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में शादियां सिर्फ एक सामाजिक व्यवस्था का भाग नही हैं। भारतीय शादियां रंगों और उत्सव से भरी एक परंपरा है। यहां शादियां, एक दिन में खत्म हो जाने वाला कार्यक्रम नहीं होती, बल्कि यह तो एक हफ्ते तक चलने वाला उत्सव होती हैं। बल्कि कई परंपराओं में तो शादी के बाद भी कई सारे रिचुअल्स होते हैं, जो शादी के बाद तक चलते रहते हैं। इन शादियों में होने वाले खर्चों के वजह से भारतीय इकोनॉमी में शादियों की एक अहम भूमिका है। कोविड के दौरान सरकारी नियमों के पालन और महामारी के खतरे ने दुनियाभर में होने वाली शादियों पर गहरा और नकारात्मक प्रभाव छोड़ा है। इसके इतर भारतीयों ने शादियों की कंपनियों पर अपना खर्च बढ़ाया है, ऐसा 'ऊप व्हदू दैत्ग' के वैश्विक मुख्य कार्यकारी टिमोथी ची मानते हैं। टिमोथी ची, जो कि वेडटेक प्लेटफॉर्म वेडिंगवायर इंडिया चलाते हैं, ने कहा कि दुनियाभर में हर चार शादियों में से एक भारत में होती है। एक साक्षात्कार में ची ने कहा कि भारतीय शादियों का बजट मजबूत रहता है। शादी उद्योग हर जगह बहुत कठिन दौर से गुजरा है, जो आश्चर्य की बात नहीं है, लेकिन हम कोविड को वेडिंग इंडस्ट्री पर अब तक के सबसे बड़े पॉज बटन के रूप में देखते हैं क्योंकि उस समय के दौरान लोग शादी करने में सक्षम नहीं थे। 2022 में उद्योग में अब तक की सबसे बड़ी संख्या में दबी हुई शादी की मांग देखी गई। टिमोथी के अनुसार भारतीय शादियों पर अभी भी लोग पहले की तरह ही खर्च कर रहे हैं, लेकिन अब शादियों का आकार कम हो गया है। इस लिहाज से वेडटेक कंपनियों के लिए भारतीय बाजार में बहुत महत्वपूर्ण रोल है। भारत में दुनिया की 25इ शादियां होती हैं। यानी धरती पर चार में से एक

शादी यहां होती है। चीन और भारत दुनिया की आधी शादियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वेडटेक कंपनियों की बात करें तो अब आम भारतीय डेस्टिनेशन वेडिंग के तौर पर जयपुर, उदयपुर और गोवा जैसी जगहों को पसंद करने लगे हैं।

भारतीय परंपरा में मेहमानों की तुलना देवों से की गई है। इस लिहाज से शादियों में ज्यादा से ज्यादा मेहमानों का आना सम्मान की बात है। जहां कोविड से पहले मेहमानों की औसत गिनती 350-400 हुआ करती थी। वो कोविड के बाद से औसतन 250 के करीब हो गई है। डेस्टिनेशन वेडिंग और बाकी के खर्चों को देखते हुए भले ही मेहमानों की सूची कम हो गई है लेकिन बजट अभी भी उतना ही है। देश और दुनिया भले ही मंदी की मार झेल रही हो लेकिन टिमोथी शादियों को 'मंदी प्रतिरोधी' मानते हैं। मंदी भले ही क्यों ना बढ़ जाए लेकिन देश में शादियां होती ही रहेगीं। लेकिन महंगाई का शादी उद्योग पर भी असर पड़ा है। महंगाई बढ़ने के कारण शादियों मे होने वाले जरूरी खर्चों में बड़ा इजाफा हुआ है। इस दौरान भारत में होटल और अन्य खर्चे भी महंगे हुए हैं।

विश्व स्तर पर लोग शादियों पर पैसा खर्च करना चाहते हैं। यह वेडिंग मैनेजमेंट उद्योग यात्रा और हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री को फॉलो करता है, जिसने सर्वकालिक उच्च दरों को देखा है। वेडिंग इंडस्ट्री में भी चीजें महंगी हो गई हैं, लेकिन लोग इस तरह के एक्सपीरियंस पर पैसा खर्च करने को तैयार हैं।

अमित शाह के खिलाफ चुनाव आयोग का रुख करेगी कांग्रेस,क्या है पूरा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कर्नाटक में कांग्रेस के सत्ता में आने पर 'दंगों से पीड़ित' होने की चेतावनी देने के बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि पार्टी इस मामले को भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के समक्ष उठाएगी। इसको लेकर उन्होंने एक ट्वीट किया। अपने ट्वीट में जयराम रमेश ने कहा कि अब साफ हो गया है कि बीजेपी कर्नाटक में निर्णायक रूप से हार रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस नेतृत्व के अभियानों के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया भारी रही है। इसके साथ ही उन्होंने अमित शाह के 4-इ रणनीति का जिक्र किया।

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह अमित शाह की 4-इ रणनीति की व्याख्या करता है- अपमान, भड़काना, उकसाना और डराना। शर्म करो शाह! हम इसे ईसीआई के सामने उठा रहे हैं। बेलागवी जिले के तेरदल में एक जनसभा को

संबोधित करते हुए, शाह ने मंगलवार को कहा कि अगर कांग्रेस कर्नाटक में सत्ता में आती है, तो वंशवादी राजनीति राज्य में सर्वकालिक उच्च स्तर पर होगी और यह 'दंगों से पीड़ित' होगी। राज्य में 'राजनीतिक स्थिरता' के लिए लोगों के जनादेश की मांग करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही इसे 'नए कर्नाटक' की ओर ले जा सकती है।

अमित शाह ने मंगलवार को कहा था कि अगर कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता में आई तो राज्य में परिवारवाद की राजनीति चरम पर होगी और वह "दंगों की चपेट में रहेगा।" शाह ने कहा कि कांग्रेस के सरकार बनाने पर राज्य में अभी तक हुआ विकास 'रिवर्स गेयर' में चला जाएगा। पार्टी के प्रमुख चुनावी रणनीतिकारों तथा प्रचारकों में शामिल शाह ने कहा कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है, तो परिवारवाद की राजनीति चरम पर होगी और कर्नाटक दंगों की चपेट में रहेगा। शाह ने कहा कि अगर कांग्रेस गलती से सत्ता में आ जाती है तो भ्रष्टाचार चरम पर होगा और तुष्टीकरण का बोलबाला होगा।

'अपने खून से लिखकर दे सकता हूं कि...', येदियुरप्पा ने शेट्टार पर साधा निशाना, कांग्रेस नेता ने दिया यह जवाब

नई दिल्ली। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा विधानसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के हुबली क्षेत्र में सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा के पूर्व नेता जगदीश शेट्टार पर निशाना साधा और उन्हें क्षेत्र में कांग्रेस के टिकट पर जीतने की चुनौती दी। हुबली में एक सभा को संबोधित करते हुए येदियुरप्पा ने कहा कि जगदीश शेट्टार ने बीजेपी और पार्टी के पीठ में छुरा घोंपा है। उन्होंने कहा कि अपने स्वार्थ के लिए उन्होंने पार्टी छोड़ दी और कांग्रेस में शामिल हो गए। ये केसे हो सकता हे? हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह यहां हुबली में हार जाएंगे। मैं अपने खून से लिख सकता हूं कि वह यह चुनाव कांग्रेस के टिकट पर हारेंगे।

इसी पर जगदीश शेट्टार का भी जवाब आया है। जगदीश शेट्टार ने कहा कि अमित शाह जी जब हुबली आए तब उन्होंने मुझ पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कल स्मृति ईरानी ने भी धारवाड़ में मुझपर ही निशाना साधा। आज येदियुरप्पा जी ने भी मुझ पर ही निशाना साधा। इतने लोग कांग्रेस में शामिल हुए लेकिन निशाना मुझे ही बनाया गया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि येदियुरप्पा जी की आलोचना मैं आशीर्वाद के तौर पर लेता हूं।

'यूपी में नो दंगा, सब चंगा' से सीएम योगी की राज्य में धमाकेदार एंट्री,त्रेतायुग से जोड़ा यूपी-कर्नाटक का नाता

नई दिल्ली। बीजेपी के फायरब्रांड नेता और यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ कर्नाटक चुनाव में एंट्री हो गई है। मांड्या पहुंचे सीएम योगी ने कहा कि यूपी और कर्नाटक का संबंध त्रेतायुग से है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम को अनन्य सहयोगी के रूप में बजरंग बली हनुमानजी मिले थे। सीएम ने कहा कर्नाटक की धरती है। यहां की मित्रता अभिन्न है। सीएम ने कहा कि दुनिया में जहां भी श्रीराम का मंदिर होगा, वहीं उनके अनन्य भक्त हनुमान जी का मंदिर जरूर होगा।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में ने कर्फ्यू नो दंगा, वहां पर सब चंगा है। भाजपा सरकार इइइ पर बैन करती है। उन्होंने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस इइइ के तुष्टिकरण का कम करती है। । धर्म के आधार पर आरक्षण भारत के संविधान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने अनुसूचित जाति-जनजाति के आरक्षण के दायरे को बढ़ाया है। जरूरतमंदो को आरक्षण का लाभ दिया गया है। सीएम योगी ने कहा की बीजेपी का मानना है कि एक भारत श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना ही भारत को आगे बढ़ाने का काम करेगी।

कर्नाटक रैली के दौरान सीएम योगी ने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश आज टीम इंडिया के तौर पर काम कर रहे है। कर्नाटक की जनता को तय करना है कि टीम इंडिया में कितने प्लेयर शामिल हों। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया में जितने ज्यादा प्लेयर जाएंगे, टीम उतनी ही मजबूती से काम करेगी।

योगी आदित्यनाथ ने राज्य की जनता से उन्हीं की भाषा यानि की कन्नड़ में अयोध्या आने का न्योता दिया। सीएम योगी ने कहा कि साल 2024 की जनवरी में मंदिर निर्माण का कार्य पूरा हो जाएगा। पीएम मोदी रामलला की मूर्ति रखेंगे। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों में पहली बार ऐसा होगा। इसलिए वह इस शुभ अवसर पर लोगों को आमंत्रित करने के लिए कर्नाटक पहुंचे हैं। सीएम योगी ने रैली के दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अयोध्या में कर्नाटक के लोगों के लिए जमीन आवंटित कर दी है। कर्नाटक सरकार का एक गेस्ट हाउस श्रीराम की नगरी अयोध्या में भी होगा। उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद आप सभी रामलला के मंदिर विराजमान में जरूर उपस्थित हों।

आकांक्षा दुबे का नया वीडियो वायरल, रोते हुए बोल रही- अगर मुझे कुछ हुआ तो जिम्मेदार समर सिंह होगा

मुम्बई। भोजपुरी एक्ट्रेस आकांक्षा दुबे का मौत से पहले का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। आकांक्षा ने रोते हुए इस वीडियो को रिकॉर्ड किया था जो अब सुर्खियों में है। इस दौरान एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे कुछ भी हो जाता है तो इसके लिए समर सिंह जिम्मेदार होंगे। आकांक्षा वीडियो में कह रही कि मैंने क्या गलती की है मुझे नहीं पता, लेकिन मैं इस दुनिया में नहीं रहना चाहती हूं। इसके आगे उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर मुझे कुछ भी होता है, तो उसकी जिम्मेदारी समर सिंह की है। हालांकि, हम इस वीडियो की पुष्टि नहीं कर रहे और अभी तक ये बात भी साफ नहीं हो पाया है कि यह वीडियो कब की है।

वीडियो सामने आने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। वीडियो की सत्यता की जांच करने में फिलहाल पुलिस जुटी हुई है। आकांक्षा दुबे का यह वीडियो 38 सेकेंड का है। इस वीडियो ने फिर से पूरे मामले में नया मोड़ ला दिया है। समर सिंह और संजय सिंह पर आकांक्षा दुबे के मौत का आरोप लगा है। दोनों से पुलिस पूछताछ कर रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री आकांक्षा दुबे को आत्महत्या के लिए कथित तौर पर मजबूर करने को लेकर गायक समर सिंह को गाजियाबाद से गिरफ्तार किया था। वाराणसी के सारनाथ इलाके में स्थित एक होटल में अभिनेत्री के मृत पाए जाने के बाद समर सिंह और उसके भाई संजय सिंह के खिलाफ 'लुकआउट' नोटिस जारी किया गया था।

अभिनेत्री की मां की शिकायत पर दोनों व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाने/मजबूर करने) के तहत मामला दर्ज किया गया था। समर गाजियाबाद में नंदग्राम थाना क्षेत्र के राज नगर एक्सटेंशन इलाके में एक हाउसिंग सोसाइटी में छिपा हुआ था। गौरतलब है कि 25 वर्षीय भोजपुरी फिल्म अभिनेत्री आकांक्षा दुबे गत 26 मार्च को वाराणसी के सारनाथ स्थित एक होटल के कमरे में मृत मिली थीं। वह एक फंदे से लटकी मिली थीं। आकांक्षा भदोही जिला स्थित चौरी थाना क्षेत्र के परसीपुर की रहने वाली थीं। वह एक फिल्म की शूटिंग के लिए वाराणसी गयी थी और वहां एक होटल में ठहरी हुई थीं। अगले दिन, उनकी मां मधु दुबे ने वाराणसी पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि समर और संजय ने तीन साल तक उनकी बेटी का उत्पीड़न किया।

रणवीर सिंह को 'बैजू' से आलिया के प्यार में 'बावरा' बनाएंगे संजय लीला भंसाली

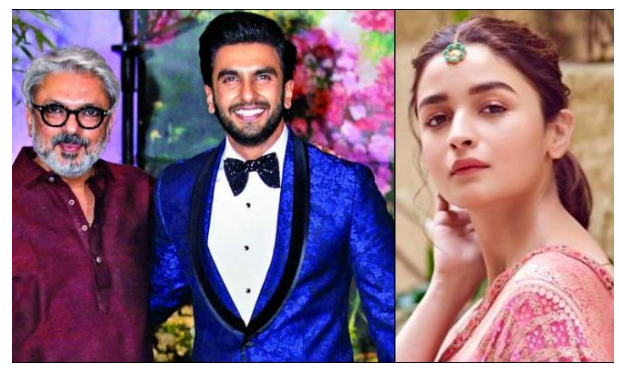

मुम्बई। बैजू बावरा पर फिल्म बनाने की चर्चा हो रही रही है। बॉलीवुड निर्देशक संजयलीला भंसाली बैजू बावरा पर फिल्म बनाने का मूड बना चुके हैं और उन्होंने फिल्म की कास्ट को भी फाइनल कर लिया है। सन् 1952 में निर्देशक विजय भट्ट ने दिग्गज संगीतकार बैजू बावरा को लेकर बॉलीवुड फिल्म बनाई थी। उस दौरान के साधनों के अनुसार फिल्म दमदार भी। फिल्म के निर्देशक ने सबसे ज्यादा मेहनत फिल्म के संगीत पर की गई थी क्योंकि ये फिल्म एक संगीतकार की जिंदगी पर बनीं थी। फिल्म में बड़े-बड़े ने म्युजिक दिया था। इस फिल्म के संगीत को उस्ताद आमिर खान, डीवी पालुस्कर, मोहम्द रफी और लता मंगेशकर ने स्वर दिए थे। अब सालों बात एक बार फिर बैजू बावरा पर फिल्म बनाने की चर्चा हो रही रही है। बॉलीवुड निर्देशक संजयलीला भंसाली बैजू बावरा पर फिल्म बनाने का मूड बना चुके हैं और उन्होंने फिल्म की कास्ट को भी फाइनल कर लिया है। कास्ट को लेकर अभी घोषणा नहीं की गई हैं लेकिल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कहा जा रहा है फिल्म के लिए संजय लीला भंसाली ने रणवीर सिंह और आलिया भट्ट को चुना है। रणवीर सिंह, संजय लीला भंसाली के पसंदीदा एक्टर्स में से एक है। दोनों ने साथ में रामलीला, बाजीराव मस्तावी जैसा कई सुपरहिट फिल्में की हैं। फिल्म में नायिका की भूमिका आलिया भट्ट को दी जाएगी जिन्हें देख बैजू, बावरा हो जाएगा। आलिया इस समय भंसाली के साथ गंगूबाई काठियावाडी कर रही हैं। बैजू बावरा मध्यकालीन भारत के एक ध्रुपद संगीतकार थे। बैजू बावरा के बारे में लगभग सभी जानकारी किंवदंतियों से आती है, और ऐतिहासिक प्रामाणिकता का अभाव है। सबसे लोकप्रिय किंवदंतियों के अनुसार, वह 15वीं और 16वीं शताब्दी के दौरान मुगल काल में रहे। बैजू बावरा का जन्म गुजरात के चांपानेर गांव के एक ब्राह्मण कुल में हुआ था। इनका असली नाम बैजनाथ मिश्र था। बैजू ग्वालियर के राजा मानसिंह के दरबार के गायक और उनकी संगीत नर्सरी के आचार्य भी रहे।

जूनियर एनटीआर के साथ जंग लड़ने को तैयार सैफ अली खान, एनटीआर 30 में खलनायक बनने के लिए भरी हामी

मुम्बई। फिल्म आरआरआर के विश्व स्तर पर सफलता के बाद जूनियर एनटीआर के सितारें इस वक्त बुलंदी पर हैं।

सुपरस्टार की लोकप्रियता दुनियाभर में बढ़ गयी है। जल्द ही जूनियर एनटीआर फिल्म एनटीआर 30 ने नजर आने वाले हैं। फिल्म से लोगों की काफी ज्यादा उम्मीदें हैं। इस बार एनटीआर कुछ बॉलीवुड स्टार्स के साथ काम करने जा रहे हैं। फिल्म में जान्हवी कपूर लीड फीमेट रोल में हैं। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक सैफ अली खान फिल्म में खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। पहले खबरें आयी थी कि फिल्म में सैफ अली खान नेगिटिव किरदार नहीं निभाएंगे लेकिन बाद में उनकी फिल्म में एंट्री की खबरें आयी।

जूनियर एनटीआर जान्हवी कपूर के साथ एनटीआर 30 में नजर आएंगे। यह जान्हवी कपूर के करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है। इसने प्रशंसकों के बीच काफी चर्चा पैदा कर दी है क्योंकि इसमें यंग टाइगर को एक नए अवतार में दिखाया गया है। यहां एनटीआर 30 के बारे में नवीनतम अपडेट दिया गया है। सैफ अली खान बिगगी के कलाकारों में शामिल हो गए हैं। यह ऐसे समय में आया है जब सैफ आदिपुरुष की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। एनटीआर 30 एक एक्शन फिल्म है, जिसका निर्देशन कोराताला शिवा कर रहे हैं। एनटीआर आर्ट्स ने घोषणा की कि सैफ अली खान तारक और जान्हवी अभिनीत एनटीआर 30 की शूटिंग में शामिल हो गए हैं। ट्वीट में लिखा था टीम क्ष्ऊँ30 ने क्ष्ंर्ग्त्ख्रि का बोर्ड पर स्वागत किया राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता हाई वोल्टेज एक्शन ड्रामा की शूटिंग में शामिल हुए। सैफ ओम राउत द्वारा निर्देशित आदिपुरुष में भी नजर आएंगे। एनटीआर 30 जूनियर एनटीआर का कोराताला शिवा के साथ दूसरा सहयोग है। दोनों ने पहले ब्लॉकबस्टर जनता गैराज के लिए हाथ मिलाया था। एनटीआर 30 में जाह्नवी कपूर प्रमुख महिला के रूप में हैं और उन्होंने अपना साउथ डेब्यू किया है। उन्होंने हाल ही में कहा था कि तारक के साथ काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा है। आरआरआर के बाद एनटीआर 30 जूनियर एनटीआर की पहली रिलीज होगी। यह अगले साल सिनेमाघरों में खुलने के लिए तैयार है।

सरोजनी नगर से कपड़ा लाकर पेटीकोट सीलने वाले टेलर से बनवाया था मिस इंडिया जितने वाला गाउन : सुष्मिता

मुम्बई। बॉलीवुड एक्ट्रेस और मिस यूनिवर्स रह चुकीं सुष्मिता सेन का काफी दिनों से सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सुष्मिता सेन ने अपनी मिस इंडिया बनने के सफर के बारे में बताया है। सुष्मिता सेन ने 1994 में मिस इंडिया का खिताब जीता था। ये वीडियो फारुख शेख के टॉक शो का है। जिसमें सुष्मिता सेन अपनी मां के साथ बतौर गेस्ट आयी थी। इस दौरान फारुख शेख ने सुष्मिता सेन से उनकी मिस इंडिया की जर्नी के बारे में बात की। इस दौरान सुष्मिता ने मिस इंडिया बनने के दौरान जो ड्रेस पहनी थी उससे जुड़ा किस्सा उन्होंने शो में साझा किया। सोशल मीडिया में इसी शो का वो छोटा सा वीडियो क्लिप वायरल हो रहा है जिसमें सुष्मिता सेन ने उस ड्रेस से जुड़ा किस्सा बताया। सुष्मिता कहती है मिस इंडिया खिताब जीतते वक्त जो ड्रेस मैंने पहनी थी वो दिल्ली के सरोजनी नगर लेकर आयी थी। मैं और मां मार्किट गये और वहां से फैबरिक लिया। घर के नीचे एक टेलर था जो पेटीकोट बनाता था। उसे

लाकर हमनें वो फैबरिक उसे दे दिया और कहा कि इसकी ड्रेस बना दो। मां ने कहा मेरी बेटी टीवी पर आएगी तो अच्छा सा बनाना। सुष्मिता आगे कहती है कि हम लोग बहुत अमीर फैमली से नहीं थे। जहां सब कुछ हाई-फाई हो। जहां हम डिजाइनर कपड़े पहनकर स्टेज पर जाए और परफॉर्म करें। टेलर ने वो ड्रेस बनाया और ड्रेस से जो कपड़ा बचा था उससे मम्मी ने एक फूल बनाया जिसे मैंने अपनी ड्रेस पर पिन से लगा लिया और काले सॉक्स को काट कर हाथों के ग्लब्ज बना लिया था। सुष्मिता ने कहा इस ड्रेस के साथ जब मैंने मिस इंडिया का खिताब जीता तो मेरे लिए वो बहुत बड़ी बात थी। उस दिन मुझे लगा कि इंसान को कुछ करने के लिए पैसे की जरूरत नहीं होती है। उसकी इंटेंशन अच्छी होनी चाहिए। आपको बता दें कि सुष्मिता सेन ने 1994 में मिस इंडिया और ब्रह्माण्ड सुन्दरी का खिताब जीता था। मिस इंडिया स्पर्धा में इन्होंने ऐश्वर्या राय को हराया था।

आशिकी 3 बनाने की तैयारी तेज, क्या फिर साथ काम करेंगे सिद्धार्थ मल्होत्रा और आलिया भट्ट?

मुम्बई। अब एक बार फिर निर्माता भूषण कुमार फिल्म आशिकी 3 बनाने पर चर्चा कर रहे हैं। फिल्म को लेकर भूषण कुमार ने अपनी टीम से बात की है। ठंड़े बस्से में पड़े इस प्रोजेक्ट पर एक बार फिर से चर्चा की माग की हैं। 2013 में बॉलीवुड स्टार आदित्य रॉय कपूर और श्रद्धा कपूर की जोड़ी फिल्म आशिकी 2 में नजर आयी थी। इस जोड़ी को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था। फिल्म के साथ-साथ इसका म्युजिक आज भी लोगों की जुबां पर चढ़ा है। आज के जमाने में बहुत कम गाने है जो साल भर से ज्यादा चले हों लेकिन आशिकी 2 के गानों को लोग आज भी दिल से सुनके हैं। ये फिल्म 1990 में राहुल रॉय और अनु अग्रवाल की फिल्म अशिकी का दूसरा पार्ट थी। आशिकी 2 की सफलता को देखते हुए फिल्म के निर्माताओं ने 2016 में ही फिल्म के तीसरे पार्ट को बनाने की घोषणा कर दी थी लेकिन फिल्म को लेकर आगे कुछ बात नहीं बनी और ये फिल्म ठंड़े बस्से में चली गई। अब 2020 में लॉकडाउन के दौरान एक बार फिर निर्माता भूषण कुमार फिल्म आशिकी 3 बनाने पर चर्चा कर रहे हैं। फिल्म को लेकर भूषण कुमार ने अपनी टीम से बात की है। ठंड़े बस्से में पड़े इस प्रोजेक्ट पर एक बार फिर से चर्चा की माग की हैं।

मेरे सामने वाली खिड़की में...किशोर कुमार

मुम्बई। फिल्म उपकार के लिए किशोर कुमार को गाना गाने के लिए आमंत्रित किया तो वह यह कहकर भाग खड़े हुए कि वे तो फिल्म के हीरो के लिए ही गाने गाते हैं, किसी खलनायक पर फिल्माया जाने वाला गाना नहीं गा सकते। लेकिन उपकार का यह गीत कसमे वादे प्यार वफा जब हिट हुआ तो किशोर कुमार मनोज कुमार के पास गए और कहने लगे इतने अच्छे गाने का मौका उन्होने छोड़ दिया। इसके साथ ही उन्होंने यह स्वीकार करने में भी देर नहीं की कि मन्ना डे ने जिस खूबसूरती से इस गाने को गाया है ऐसा तो मैं कई जन्मों तक नहीं गा सकूंगा। अच्छा ही हुआ कि मैंने इस गाने को नहीं गाया नहीं तो लोग इतने अच्छे गीत में मन्ना डे की इस खूबसूरत आवाज से वंचित रह जाते। किशोर कुमार का जन्म 4 अगस्त 1929 को मध्य प्रदेश के खंडवा शहर में वहाँ के जाने माने वकील कुंजीलाल के यहाँ हुआ था। किशोर कुमार का असली नाम आभास कुमार गांगुली था। किशोर कुमार अपने भाई बहनों में दूसरे नम्बर पर थे। उन्होंने अपने जीवन के हर क्षण में खंडवा को याद किया, वे जब भी किसी सार्वजनिक मंच पर या किसी समारोह में अपना कार्यक्रम प्रस्तुत करते थे, शान से कहते थे किशोर कुमार खंडवे वाले, अपनी जन्म भूमि और मातृभूमि के प्रति ऐसा ज़ज़्बा बहुत कम लोगों में दिखाई देता है। किशोर कुमार इन्दौर के क्रिश्चियन कॉलेज में पढ़े थे और उनकी आदत थी कॉलेज की कैंटीन से उधार लेकर खुद भी खाना और दोस्तों को भी खिलाना। वह ऐसा समय था जब 10-20 पैसे की उधारी भी बहुत मायने रखती थी। किशोर कुमार पर जब कैंटीन वाले के पाँच रुपया बारह आना उधार हो गए और कैंटीन का मालिक जब उनको अपने एक रुपया बारह आना चुकाने को कहता तो वे कैंटीन में बैठकर ही टेबल पर गिलास, और चम्मच बजा बजाकर पाँच रुपया बारह आना गा-गाकर कई धुन निकालते थे और कैंटीन वाले की बात अनसुनी कर देते थे। बाद में उन्होंने अपने एक गीत में इस पाँच रुपया बारह आना का बहुत ही खूबसूरती से इस्तेमाल किया। शायद बहुत कम लोगों को पाँच रुपया बारह आना वाले गीत की यह असली कहानी मालूम होगी। किशोर कुमार की शुरुआत एक अभिनेता के रूप में फिल्म शिकारी (1946) से हुई.इस फिल्म में उनके बड़े भाई अशोक कुमार ने प्रमुख भूमिका की थी। उन्हें पहली बार गाने का मौका मिला फिल्म 1948 में बनी फिल्म जिद्दी में। जिसमें उन्होंने देव आनंद के लिए गाना गाया था। किशोर कुमार के. एल. सहगल के ज़बर्दस्त प्रशंसक थे, इसलिए उन्होंने यह गीत उन की शैली में ही गाया। जिद्दी की सफलता के बावजूद उन्हें न तो पहचान मिली और न कोई खास काम मिला। उन्होंने 1951 में फणी मजूमदार द्वारा निर्मित फिल्म आंदोलन में हीरो के रूप में काम किया मगर फिल्म फ्लॉप हो गई। 1954 में उन्होंने बिमल राय की करी में एक बेरोजगार युवक की संवेदनशील भूमिका कर अपनी ज़बर्दस्त अभिनय प्रतिभा से भी परिचित किया। इसके बाद 1955 में बनी बाप रे बाप, 1956 में नई दिल्ली, 1957 में मि. मेरी और आशा, और 1958 में बनी चलती का नाम गाड़ी जिस में किशोर कुमार ने अपने दोनों भाईयों अशोक कुमार और अनूप कुमार के साथ काम किया और उनकी अभिनेत्री थी मधुबाला। यह भी मजेदार बात है कि किशोर कुमार की शुरुआत की कई फिल्मों में मोहम्मद रफी ने किशोर कुमार के लिए अपनी आवाज दी थी। मोहम्मद रफी ने फिल्म रागिनी तथा शरारत में किशोर कुमार को अपनी आवाज उधार दी तो मेहनताना लिया सिर्फ एक रुपया। काम के लिए किशोर कुमार सबसे पहले एस डी बर्मन के पास गए थे. जिन्होंने पहले भी उन्हें 1950 में बनी फिल्म प्यार में गाने का मौका दिया था। एस डी बर्मन ने उन्हें फिर ष्बहारष् फिल्म में एक गाना गाने का मौका दिया। कुसुर आप का और यह गाना बहुत हिट हुआ। शुरू में किशोर कुमार को एस डी बर्मन और अन्य संगीत कारों ने अधिक गंभीरता से नहीं लिया और उनसे हल्के स्तर के गीत गवाए गए, लेकिन किशोर कुमार ने 1957 में बनी फिल्म फंटूस में दुखी मन मेरे गीत अपनी ऐसी धाक जमाई कि जाने माने संगीतकारों को किशोर कुमार की प्रतिभा का लोहा मानना पड़ा। इसके बाद एसडी बर्मन ने किशोर कुमार को अपने संगीत निर्देशन में कई गीत गाने का मौका दिया। आर डी बर्मन के संगीत निर्देशन में किशोर कुमार ने मुनीम जी, टैक्सी ड्राइवर, फंटूश, नौ दो ग्यारह, पेइंग गेस्ट, गाईड, ज्वेल थीफ़, प्रेमपुजारी, तेरे मेरे सपने जैसी फिल्मों में अपनी जादुई आवाज से फिल्मी संगीत के दीवानों को अपना दीवाना बना लिया। एक अनुमान के किशोर कुमार ने वर्ष 1940 से वर्ष 1980 के बीच के अपने करियर के दौरान करीब 574 से अधिक गाने गाए। किशोर कुमार ने भारतीय सिनेमा के उस स्वर्ण काल में संघर्ष शुरु किया था जब उनके भाई अशोक कुमार एक सफल सितारे के रूप में स्थापित हो चुके थे।

राशिफल

मेष-ःतली-भुनी चीजों से दूर रहें और नियमित व्यायाम करते रहें. घरेलू सुख-सुविधा की चीज़ों पर ज़रूरत से ज़्यादा खर्च़ न करें। पिता का तल्ख बर्ताव आपको नाराज़ कर सकता है।

वृष-ःजीवन की सभी कठिन परिस्थितियों में आपको अपने माता-पिता का पूरा सहयोग मिलेगा. जो लोग प्रेम के मोर्चे पर मायूस महसूस कर रहे हैं।

मिथुन-ःक्षणिक क्रोध विवाद और दुर्भावना का कारण बन सकता है. मनोरंजन और सौन्दर्य वृद्धि पर आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत न करें।

कर्क-ःआज सभी ग्रह और सितारे आपके पक्ष में हैं, आप जिस भी काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको सफलता जरूर मिलेगी. आज के दिन यात्रा की योजना बन सकती है।

सिंह-ःआपकी इच्छा शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि आप बहुत उलझी हुई परिस्थितियों से निकलने में कामयाब रहेंगे. भावनात्मक फैसले लेते समय अपनी तार्किकता को न छोड़ें।

कन्या-ःप्रेम के मामले में सफलता मिलेगी. नए कार्यों की शुरुआत करना शुभ रहेगा। आज अपने प्रिय के साथ अपनी व्यक्तिगत भावनाओं और गोपनीय मामलों को साझा करने का सही समय है।

तुला-ः जो लोग आपके पास कर्ज के लिए आते हैं, बेहतर होगा आप उन्हें नजरंदाज करें. पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और आप अपनी योजनाओं को पूरा समर्थन मिलने की उम्मीद कर सकते हैं।

वृश्चिक-ःछात्रों के लिए दिन अनुकूल है क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिल सकती है। जमीन-जायदाद संबंधी कार्य स्थगित करना आपके हित में रहेगा।

धनु-ःइससे पहले कि नकारात्मक विचार मानसिक रोग का रूप लें, आपको उन्हें समाप्त कर देना चाहिए. आप किसी परोपकारी कार्य में हिस्सा लेकर ऐसा कर सकते हैं।

मकर-ःलंबे समय से चली आ रही दिक्कतों से आज आपको छुटकारा मिल सकता है. आगे बढ़ने के बजाय अपने सभी आगामी कार्यों को पूरा करना ही समझदारी होगी।

कुंभ-ःभावनात्मक रूप से बहुत अच्छा दिन नहीं रहेगा. आर्थिक समस्याओं के कारण आपको आलोचना और वाद-विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

मीन-ःआज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे, जिसका असर आपके आसपास के लोगों पर भी पड़ेगा. खुद के काम से समय निकालकर परिवार के साथ अधिक समय बिताना संभव नहीं होगा।

सेक्सी से सीता के अवतार में बदली उर्वशी रौतेला

मुम्बई। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर अपनी धमाकेदार फोटोज शेयर करके अपने फैंस का मनोरंजन करती है। बॉलीवुड अदाकाराओं में से सबसे ज्यादा सोशल मीडिया पर चाहने वाले उर्वशी रौतेला के हैं। हाल ही में उर्वशी मे 25 मीलियन फॉलोअर्स का रिकॉर्ड बनाया हैं। उर्वशी रौतेला भले एक्ट्रेस हैं लेकिन वो सुखिर्यों में अपनी फिल्मों का वजह से कम अपनी बोल्ड तस्वीर और अपनी अफेयर की खबरों को लेकर ज्यादा चर्चा में रहती हैं। जब से देश में लॉकडाउन हुआ है तब से उर्वशी सोशल मीडिया पर रोज एक से एक सेक्सी तस्वीरें शेयर करके लोगों को अपना दीवाना बना रही हैं। उर्वशी के इंस्टाग्राम पर एक नजर डाले तो आपको उर्वशी की एक से एक सेक्सी तेस्वीरें और वीडियो देखने को मिलेंगे लेकिन आज उर्वशी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक ऐसी तस्वीर शेयर की है जो अब तक की उनकी सभी तस्वीरों से बिलकुल अलग है। उर्वशी ने जा तस्वीर शेयर की है उनमें उन्होंने सीधे पल्लु में गुजराती साड़ी पहनी हुई है। उन्होंने इस दौरान बहुत ही सिम्पल मेकअप किया है और ज्वैलरी में उन्होंने बस गले में एक काले रंग का मंगलसूत्र की तरह दिखता एक नेकलेस पहना हुआ है। उर्वशी का ये बदला हुई रूप देख कर उनके फैंस हैरान हैं। उर्वशी की इस तस्वीर पर तरह-तरह के कमेंट आ रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है कि इस समय रामायण का दौर चल रहा है तो उर्वशी पर भी इसका खुमार चढ़ गया है इस लिए उन्होंने सीता का लिबास पहल लिया है। एक यूजर ने उर्वशी के लिए कहा- कि आपने कैसे सेस्सी से सीता का अवतार ले लिया है।

विज्ञापन प्रतिनिधि
श्री सुजीत कुमार
मो. 7007632314

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।